

भारत यह मैच 18 रन से हार गया था। 27 नवंबर को मुंबई के एक कार्यक्रम में धोनी ने क्रिकेट में वापसी के सवाल पर मीडिया से कहा था कि इस बारे में उनसे जनवरी 2020 तक कुछ न पूछा जाए।

आईपीएल में प्रदर्शन ही धोनी का भविष्य तय होगा : शास्त्री

26 नवंबर को शास्त्री ने कहा था, “यह (धोनी का भविष्य) इस बात पर निर्भर करता है कि वह (धोनी) कब से खेलना शुरू करते हैं और आईपीएल में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है। वहाँ दूसरे खिलाड़ी विकेटकीपिंग में क्या कर रहे हैं और धोनी के मुकाबले उनका फॉर्म कैसा रहे?”

रांची, रविवार, ०1 दिसंबर 2०19

2

चौथे चरण के लिए नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया पूरी, कई प्रत्याशियों का पर्चा निरस्त

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए आज नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी। उम्मीदवार दो दिसंबर को नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची के आधार पर उन्हें चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा। चौथे चरण में सोलह दिसंबर को पंद्रह सीटों पर वोट डाले जायेंगे। मतगणना तेइस दिसंबर को होगी। गिरिडीह जिले के पांच विधानसभा सीटों जमुआ, बगोदर, गिरिडीह, डुमरी और गांडेय के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच के क्रम में चैदह प्रत्याशियों का नामांकन निरस्त कर दिया। धनबाद जिले के पांच निर्वाचन क्षेत्रों में भी स्करूटनी के दौरान पंद्रह प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया। देवघर जिले के मधुपुर विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रत्याशियों का नामांकन भी अस्वीकृत कर दिया गया। गिरिडीह जिले के पांच विधानसभा सीटों जमुआ, बगोदर, गिरिडीह, डुमरी और गांडेय के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच के क्रम में चैदह प्रत्याशियों का नामांकन निरस्त कर दिया। धनबाद जिले के पांच निर्वाचन क्षेत्रों में भी स्करूटनी के दौरान पंद्रह प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया। देवघर जिले के मधुपुर विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रत्याशियों का नामांकन भी अस्वीकृत कर दिया गया। देवघर जिले के मधुपुर विधानसभा की स्कूटनी में तीन प्रत्याशियो का नामांकन अस्वीकृत हुआ, जिनमें 'झारखण्ड पीपुल्स पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार टुड्डु और 'लोक जनशक्ति पार्टी के हृदय नारायण राय का नामांकन अस्वीकृत किया। गिरिडीह जिले के 5 विधानसभा गिरिडीह , जमुआ, बगोदर, डुमरी व गांडेय में दाखिल नामांकन पत्रों की जाँच की गई। आज 14 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हो गया है। अब 68 प्रत्याशी मैदान में बच गए हैं इन विधानसभा क्षेत्र में चौथे चरण में 16 दिसम्बर को मतदान होगा। 'आसन्न विधासभा चुनाव को लेकर चौथे चरण में 16 दिसंबर 2019 को धनबाद में होने वाले चुनाव के मद्देनजर शनिवार को स्करूटनी की गई। जिसमें 15 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया। स्करूटनी के दौरान

नामांकन जांच की प्रक्रिया पूरी

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए आज नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी। उम्मीदवार दो दिसंबर को नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची के आधार पर उन्हें चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया। चौथे चरण में सोलह दिसंबर को पंद्रह सीटों पर वोट डाले जायेंगे। मतगणना तेइस दिसंबर को होगी।

नामांकन दाखिल करने का सिलसिला जारी, नलिन सोरेन ने पर्चा भरा

रांची। पांचवें और अंतिम चरण के विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन दाखिल करने का सिलसिला जारी है। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्यापी नलिन सोरेन ने आज नामांकन दाखिल किया। श्री सोरेन ने इस विधानसभा सीट के लिए सातवीं बार नामांकन दाखिल किया है। इधर, दूसरे और तीसरे विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार तेज हो गया है। भाजपा प्रत्यापी और मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आज पूर्वी जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्रा कर लोगों से वोट देने की अपील की। इधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने आज खूंटी जिले के तोरपा विधानसभा क्षेत्र के तपकरा बाजार टांडु में पार्टी प्रत्यापी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान समेत अन्य नेताओं ने भी चुनावी सभा को संबोधित किया।

विद्यार्थियों को ईवीएम व वीवीपैट की दी गयी जानकारी

रांची। स्वीप के तहत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लगतार इवीएम और वीवीपैट जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज रांची में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के बीएड सेक्शन और गणित विभाग में इवीएम-वीवीपैट का प्रदर्शन किया गया। मास्टर टेऊनर विनोद कुमार और अरुण सिन्हा ने छात्रों को इवीएम और वीपीपैट के बारे में पूरी जानकारी दी। छात्रों को बालेट यूनिट और कंट्रोल यूनिट के बारे भी बताया गया। वीपीपैट की जानकारी देते हुए मास्टर टेऊनरों ने बताया कि इसके माध्यम से मतदाता आक्षस्त हो सकता है कि उसका वोट उसके पसंदीदा उम्मीदवार को ही गया है। विद्यार्थियों को बताया गया कि वोट देने के बाद वीपीपैट में संबंधित उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह की पर्ची सात सेकेंड तक दिखाई पड़ती है। छात्रों को बताया गया कि अगर आपको कोई उम्मीदवार पसंद नहीं तो आप नोटा का इस्तेमाल कर सकते हैं। नोटा का बटन इवीएम में सबसे नीचे होता है और इसकी भी पर्ची वीवीपैट में दिखाई पड़ती है। इस दौरान कई छात्रों ने मॉकपोल में हिस्सा लिया और आक्षस्त हुए कि जिसे वोट दिया जाता है उसकी पर्ची ही वीवीपैट में दिखाई देती है। इस दौरान छात्रों को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की ऑनलाइन शिकायत सी-विजिल ऐप से करने और वोटर हेल्पलाइन नंबर 195० की भी जानकारी दी गयी।

ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम लाने का सिलसिला जारी

रांची। तेरह विधानसभा सीटों के लिए आज शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो जाने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, ईवीएम को राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की मौजूदगी में सील कर स्ट्रांग रूम में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। ईवीएम को सुरक्षित स्ट्रांग रूम तक पहुंचाने में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वहीं अंधेरा हो जाने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर मतदान कर्मियों को स्टेशन पर ही रात्रि विश्राम करने और दूसरे दिन ईवीएम को स्ट्रांग रूम में जमा कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा जिन सुदूरवर्ती और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से मतदान कर्मियों को बूथों पर पहुंचाया गया था, उन मतदान कर्मियों के भी कल स्ट्रांग रूम पहुंचने का निर्देश दिया गया और आज वे अपने संबधित कलस्टर और मतदान केंद्रों पर ही रुकेगे।

भाजपा में हार की बोखलाहट

रांची। डाल्टेनगंज में कांग्रेस प्रत्याशी के एन त्रिपाठी के ऊपर हुए पथराव की घटना की निंदा करते हुए पुर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा भाजपा के लोग अपनी हार से बौखला कर इस तरह कि घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा में त्रिपाठी ने हथियार निकाला ताकि पथराव करने वाले लोगों में एक भय हो नही तोकिसी भी अप्रिय घटना त्रिपाठी के साथ हो सकती थी स पथराव करना भाजपा के लोगों के हटा नापाक एंव सुकोषजीत षडयंत्र है। ताकि त्रिपाठी को शांतिर्क हानि पहुंचाया जा सके उसी कारणे कि ह्राशासन निपक्ष रहे भाजपा के दवाब में काम न करे वयोकि अब झारखंड से भाजपा उखड़ने वाली है।

39-निरसा विधानसभा से 4 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया। निरसा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी बुधे मुर्मू, निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद शहाबुद्दीन अंसारी, हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा की किरण देवी तथा लोक जनशक्ति पार्टी की अनिता पासवान का नामांकन पत्र रद्द किया गया। वहीं धनबाद विधानसभा से 2 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया। धनबाद विधानसभा से जिन प्रत्याशियों के नाम रद्द किए गए वे निर्दलीय प्रत्याशी अखिलेश्वर महतो तथा प्रेम प्रकाश पासवान है। यहाँ सा से हॉट सीट माना जा रहा झरिया विधानसभा से 2 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया। जिसमें झरिया विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी संजीव सिंह तथा रवीन्द्र कुमार सिंह का नाम शामिल है। टुंडी विधानसभा की अगर बात करे तो टुंडी विधानसभा से सर्वाधिक 5 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया है। टुंडी से मोतिलाल किस्कु (निर्दलीय), कमल प्रसाद साहु (समाजवादी पार्टी), मुन्ना विश्वकर्मा (एनसीपी), देवी लाल किस्कु (झारखंड मुक्ति मोर्चा उलगुलान) तथा लोक जनशक्ति पार्टी के सुरेंद्र सिंह का नामांकन रद्द किया गया। इसके साथ ही बाघमारा विधानसभा से 2 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया। कार्तिक महतो तथा एलजेपी के विनोद कुमार गोस्वामी का नाम शामिल है। जबकि सिंदरी विधानसभा से एक भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं किया गया।

वर्ष 2०14 की अपेक्षा 2०19 में 1.15फीसदी अधिक मतदान

रांची। पिछले 2014 के विधानसभा चुनाव की अपेक्षा इस बार उल्लेखनीय प्रगति हुई और इस बार पिछली बार की तुलना 1.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। वर्ष 2०14 क विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में 63.29 प्रतिशत मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया था।

पहले चरण में भाजपा 11 से ज्यादा सीटों पर जीतेगी : गिलुवा

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा ने कहा है कि पहले चरण के चुनाव में भाजपा 11 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगी. लोकतंत्र के महापर्व में राज्य की 13 विधानसभा क्षेत्रों की जनता ने उत्साह से भाग लिया है. 65 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है इसके लिए जनता बधाई की पात्र हैं. चुनाव आयोग को भी शांतिपूर्ण चुनाव के लिए बधाई. उन्होंने साबित कर दिया कि लोकतंत्र के असली पहरेदार वही है. इन 13 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के दौरान जनता की अच्छी भागीदारी रही. नए मतदाता, युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और सभी वर्गों के लोगों ने जाति धर्म से ऊपर उठकर मतदान किया और लोकतंत्र को और मजबूत बनाया है। पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण रहा है. मतदाताओं के इस जज्बे को भाजपा सलाम

रिकॉर्ड 84.42 प्रतिशत दिव्यांग मतदाताओं ने किया मतदान

रांची। विधानसभा के पहले चरण में 13 सीटों के लिए आज मतदान संपन्न हुआ. इन 13 सीटों के लिए 64.44 प्रतिशत (टेंटेटिव) मतदान दर्ज किया गया. चतरा (एससी) में 56.59, गुमला (एसटी) में 67.3, 69-बिश्नूपुर (एसटी) में 69.8, 72-लोहरदगा (एसटी) में 71.47, मनिका (एसटी) में 62.66, लातेहार (एससी)में 67.2, पांकी में 64.1, डाल्टेनगंज में 63.9, विश्रामपुर में 61.6, 78-छतरपुर (एससी) में 62.3, 79-हुसैनाबाद में 60.9, ग?वा मे 66.04 और भवनाथपुर सीट के लिए 67.34 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चैबने बताया कि इन 13 सीटों के हुए

मतदान को लेकर कहीं से किसी तरह की ग?ब?ी की कोई सूचना नहीं मिली. सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ. संवाददाता सम्मेलन में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा और श्री शैलेश कुमार चैरसिया मौजूद थे।

2०14 की तुलना में बढ़ा मतदान प्रतिशत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में जिन 13 विधानसभा सीटों के लिए आज दिनांक 30 नवंबर 2019 को हुए मतदान का प्रतिशत 64.44 रहा. इस तरह 2014 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 1.15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है. ज्ञात हो कि 2014 के विधानसभा चुनाव में इन सीटों के लिए कुल 63.29

कोल्हान में भाजपा का पूरी तरह से सफाया होगा : झामुमो

चाईबासा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में सिंहभूम कोल्हान क्षेत्र को तमाम सीटों से भाजपा का सफाया हो जाएगा। आज भट्टाचार्य चाईबासा में मीडिया को संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पश्चिमी सिंहभूम जिले से पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को उखाड़ फेंका था उसी तरह इस बार प्रमंडल के तीनों जिले भाजपा मुक्त हो जाएंगे। झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने आज के मतदान के दौरान हुई हिंसा पर बोलेते हुए कहा कि कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी पर हुए हमले और छिटपुट नक्सली घटनाओं ने भाजपा की हताशा को सतह पर ला दिया है। भट्टाचार्य ने सिंहभूम कोल्हान प्रमंडल के मुद्दों के बारे में बात करते हुए कहा कि झामुमो तमाम स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता के पास जा रहा है जबकि भाजपा के पास कोई स्थानीय मुद्दे नहीं है।

पहले चरण के लिए मतदान संपन्न हो जाने के बाद सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा सांसद और पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने आज रांची में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डाल्टनगंज में मतदान के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार केएन त्रिपाठी द्वारा पिस्तौल लहराना कांग्रेस के असली चरित्र को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह हैरान करने वाली घटना है, ऐसी घटनाएं पुराने समय होती थीं, जब बन्दूक दिखाकर बूथ लूटे जाते थे। इधर, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता जरिता लैफलोंग ने रांची में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में भारी मतदान लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने चाईबासा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डाल्टनगंज में गव्बंधन प्रत्याशी पर हुए हमले और छिटपुट नक्सली घटनाओं ने भाजपा की हताषा को सतह पर ला दिया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अधिक मतदान लोकतंत्र के लिए फायदेमंद : कांग्रेस

रांची। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता जरिता लैफलोंग ने कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी पलामू प्रमण्डल नौ विधानसभा एवं चार विधानसभा-गुमला, लोहरदगा की जनता को साधुवाद करती है। अति उग्रवाद को कानून व्यवस्था की खराब स्थिति के बावजूद मतदान अच्छे संकेत है। कांग्रेस पार्टी ने महागबंधन के सभी बूथ एजेंटों एवं पार्टी पदाधिकारियों को भी धन्यवाद दिया है। मौजूदा शासन से आम जनता नाखूश है। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा कि 13 विधानसभा सीट में महागठबंधन के लगभग सभी प्रत्याशी मुकाबले में है, नौ सीटों पर हमारी जीत सुनिश्चित है, दो पर टक्कर में हैं, एक-दो सीटों पर किसी और की जीत हो सकती



है, लेकिन भाजपा का पूरी तरह से सफाया होगा। 13 विधानसभा सीटों के मतदान के रूझानों से स्पष्ट संकेत है कि महागबंधन के विजय का सिलसिला प्रारंभ हुआ है जो पांचो चरणों में बदस्तूर जारी रहेगा। भारतीय जनता पार्टी के कुशासन की प्रमुख मुद्दा आम लोगों के बीच बेरोजगारी प्रभावकारी रहा, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर, बुनियादी सुविधाओं यथा 24 घंटे बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, स?क को लेकर, मंडल डैम जैसे विषयों को लेकर आम जनता ने मतदान किया है।

शिबू–हेमंत ने लूटने का काम किया : रघुवर दास

रांची। मुख्यमंत्री आज सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी गणेश महाली के लिए आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करने राजनगर प्रखंड के कुनाबेड़ा में एक जनसभा को संबोधित किया. जहां मुख्यमंत्री ने गणेश महाली के पक्ष में जेएमएम के चम्पई सोरेन पर जमकर निशाना साधा और कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में चम्पई सोरेन और जेएमएम ने प्रशासन के साथ मिलकर गणेश महाली की निश्चित जीत को हार में तब्दील कराया था, लेकिन इस बार जनता गलती नहीं करेगी. मुख्यमंत्री ने हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन पर एक बार फिर से निशाना साधा और कहा दोनों बाप बेटों ने मिलकर झारखंड को लूटने का काम किया है. साथ ही क्षेत्र के विकास में वर्तमान विधायक को बाधक बताया. उन्होंने कहा कि ईचा डैम के जद में आने वाले गांवों को किसी कीमत पर विस्थापित होने नहीं दिया जाएगा. वहीं उन्होंने सरकार बनते ही 3 महीने के भीतर कुनाबड़ा को प्रखंड बनाए जाने की बात कही. इसके अलावा राजनगर में महिला कॉलेज और आईटीआई कॉलेज खोलने का भी भरोसा मौजूद जनसमूह को दिलाया।

चौपाल में बैठकर खींचेंगे गांव के विकास का प्रारूप : सुदेश महतो



लिए ठेस योजनाएं बनायी जाएंगी। गंगा बेसन का पानी पाकड़ के घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा। पारा शिक्षक, सहिया दौदी, आंगनवाड़ी सेविका या अनुबध में काम करने

वालों का भविष्य सुरक्षित किया जाएगा।

महतो ने आक्षस्त किया कि अब सरकार दिख़्ख़े तो या शहर से नहीं, बल्कि गांव से चलेगी। अधिकारी गांव में जाकर चौपाल में आपके संग बैठेंगे। गांव के विकास का जो प्रारूप है, उसे आपके साथ मिलकर तैयार किया जाएगा। अरमानों के साकार करने को अकील और सुफल को हर हाल में विजयी बनाकर विधानसभा भेजना है।

मतदान शांतिपूर्ण, नहीं हुई कोई बड़ी घटना

अपराध संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के कुल 81 सीटों में से 13 सीटों के लिए आज मतदान शांतिपूर्ण तरीके रहा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने आज संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण के चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस चरण की पूरी चुनावी प्रक्रिया के संचालन की लगातार और गहनता के साथ निगरानी की जा रही थी। इस चरण में ज्यादातर नक्सल प्रभावित इलाके होने की वजह से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदाताओं ने बड़-चढ़कर मतदान किया। संवाददाता सम्मेलन में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री कृपानंद झा और श्री शैलेश कुमार चौरसिया मौजूद थे।

मतदान के बाद मतदानकर्मियों और ईवीएम को सुरक्षित लाने की तैयारी : पहले चरण में 1269 मतदान केंद्रों पर पहुंचने हेतु मतदानकर्मियों को मतदान दिवस के दो दिन पहले रवाना किया गया था। यह 1269 मतदान केंद्र 1226 मतदान केंद्र भवनों में अवस्थित था। वहीं 6 जिलों में दुर्गम क्षेत्रों में अवस्थित 203 मतदान केंद्रों पर 448 मतदानकर्मियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाया गया। वहीं, मतदान के उपरांत दूसरे दिन इन मतदान कर्मियों को सुरक्षित लाने के लिए पांच हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा।

9973 सेवा मतदाताओं को इश्यू किए गए थे पोस्टल बैलेट : पहले चरण के चुनाव को लेकर 9973 सेवा मतदाताओं के लिए ईटीपीबीएस से 9973 पोस्टल बैलेट इश्यू किए गए थे। इस चरण में 13 सीटों के लिए कुल 189

मतदान को लेकर लगभग 20 हजार मतदानकर्मी किए गए थे नियुक्त सुरक्षा की थी चाक-चौबंद व्यवस्था



था। यह 1269 मतदान केंद्र 1226 मतदान केंद्र भवनों में अवस्थित था। वहीं 6 जिलों में दुर्गम क्षेत्रों में अवस्थित 203 मतदान केंद्रों पर 448 मतदानकर्मियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाया गया। वहीं, मतदान के उपरांत दूसरे दिन इन मतदान कर्मियों को सुरक्षित लाने के लिए पांच हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा।

9973 सेवा मतदाताओं को इश्यू किए गए थे पोस्टल बैलेट : पहले चरण के चुनाव को लेकर 9973 सेवा मतदाताओं के लिए ईटीपीबीएस से 9973 पोस्टल बैलेट इश्यू किए गए थे। इस चरण में 13 सीटों के लिए कुल 189

प्रत्याशियों में से 174 पुरुष और 15 महिला प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में लॉक हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पहले चरण के चुनाव को लेकर 13 सामान्य प्रेक्षक, 7 व्यय प्रेक्षक, 6 पुलिस प्रेक्षक और 548 माइक्रो ऑब्जरवर प्रतिनियुक्त किए गए थे, वहीं 4892 मतदान

केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लगभग 20 हजार मतदान कर्मी नियुक्त किए गए थे।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वृहत स्तर पर चला स्वीप कार्यक्रम : पहले चरण के सभी 4892 मतदान केंद्रों पर चुनाव पाठशाला का गठन किया जा चुका था। इसके साथ मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्टेट आईकॉन के द्वारा प्रचार-प्रसार किया गया। आकाशवाणी के माध्यम से रेडियो जंगल, एलईडी वाहन के साथ-साथ सिनेमा हॉल और टीवी चैनलों के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया गया।

ईवीएम तथा वीवीपैट के इस्तेमाल को लेकर सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को जानकारी दी गई। चुनाव से संबंधित सभी सूचनाएं प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया यथा-फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स एप्प और इंस्टाग्राम के द्वारा दी गई। इसके अतिरिक्त रीतहवआजअ के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग भी किया गया।

पुलिस टीम ने गुप्त सूचना पर मदनपुर में देर रात की छापामारी पिठोरिया इलाके में अवैध शराब व चोरी का सामान बरामद, कारोबारी फरार



अपराध संवाददाता

रांची : पिठोरिया थाना क्षेत्र से पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध विदेशी शराब और चोरी की सामान बरामद करने में सफलता पायी है। हालांकि छापामारी के दौरान अवैध शराब कारोबारी अरमान अंसारी भाग निकलने में कामयाब हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस प्रयासरत है।

इंस्पेक्टर आसित कुमार मोदी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पिठोरिया थाना अंतर्गत मदनपुर निवासी अरमान अंसारी अवैध शराब का धंधा करता है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने शुक्रवार रात आरोपी के घर में छापामारी कर करीब 70 बोतल अवैध शराब सहित चोरी का तार, बैट्री, लोहा, बिजली का बॉक्स, पाइप सहित अन्य सामान बरामद की है। वहीं इस छापामारी

के दौरान आरोपी अरमान अंसारी अंधेरा का फायदा उठा कर अपने घर से भाग निकला। जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस संभावित क्षेत्र में छापामारी कर रही है।

पुलिस टीम में नीरज कुमार (डीएसपी, मुख्यालय वन), आसित कुमार मोदी (इंस्पेक्टर, सदर पश्चिमी), विनोद राम (थाना प्रभारी, पिठोरिया थाना) सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

जगन्नाथपुर अंतर्गत पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप छापामारी 20 पुड़िया गांजा व नगद 85 हजार बरामद, एक गिरफ्तार

अपराध संवाददाता

रांची : जगन्नाथपुर थाना की पुलिस ने शनिवार को गांजा बेचने के आरोपी अशोक कुमार सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी मूल रूप से रोहतास का रहनेवाला है, जो धुर्वा,झोपड़ी पट्टी में रहकर अवैध गांजा का धंधा कर रहा था। इस संबंध में जगन्नाथपुर इंस्पेक्टर अनूप कर्मकार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप अवैध रूप से गांजा की बिक्री की जा रही है।

सूचना पर पुलिस टीम द्वारा फौरन उक्त स्थल पर छापामारी की गई। जिसमें आरोपी को पुलिस ने गांजा बिक्री करते रोहाथ घर दबोचा। पुलिस ने तलाशी के



दौरान आरोपी अभियुक्त अशोक कुमार सिंह के पास से 20 पुड़िया

गांजा और नगद 85 हजार 5 सौ रुपया बरामद की है।



मुंबई में दर्ज है

फर्जीवाड़ा का मामला

अपराध संवाददाता

रांची : लालपुर थाना अंतर्गत सचदेवा इंस्टीट्यूट के निदेशक राजीव रंजन पर छात्रों के नाम से करोड़ों का लोन लेने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। निदेशक पर मुंबई में भी प्राथमिकी दर्ज होने मामला प्रकाश में आया है।

जानकारी के अनुसार सचदेवा इंस्टीट्यूट के निदेशक राजीव रंजन पर छात्रों के नाम पर करोड़ों का लोन देने वाली कंपनी फॉरस्यूट इंटीग्रेटेड एसोसिएट फाइनांस ने भी मुंबई में एक फर्जीवाड़ा की प्राथमिकी दर्ज करायी है। इसकी जानकारी पुलिस को तब मिली जब उसने कंपनी से पूरे लोन का विस्तृत विवरण ई-मेल द्वारा नोटिस भेजकर मांगी।

रांची में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर उपायुक्त ने निर्वाची पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अपराध संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में तीसरे चरण में 12 दिसंबर को मतदान है। इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाची पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी निर्वाची पदाधिकारियों को पोलिंग पार्टियों के डिस्पैच से संबंधित तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टी के डिस्पैच के दिन सभी पोलिंग पर्सनल और संबंधित कोषांग के पदाधिकारी/कर्मी ससमय निर्धारित स्थल पर उपस्थित होंगे। श्री रे ने विधानसभावार फ्लेक्स



लगावने के निर्देश दिये। कहा कि इसमें संबंधित चालक और वाहन नंबर की जानकारी भी अवश्य दें। पोलिंग पार्टियों की सहाय्य के लिए भी पदाधिकारियों को कहा।

डीसी ने कहा कि कंट्रोल रूम बनाकर पूरी गतिविधि की

मॉनिटरिंग की जायेगी। इसकी पूरी व्यवस्था पहले से कर लें। मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न कोषांगों के वरीय/नोडल पदाधिकारियों के साथ उपनिर्वाचन पदाधिकारी रांची भी मौजूद थे।



पुलिस ने नाबालिग

भगाने का आरोपी

युवक को भेजा जेल

अपराध संवाददाता

रांची : सुखदेव नगर थाना की पुलिस ने शनिवार को नाबालिग को भगाने के आरोप में आरोपी युवक मुकेश राम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी इग्नू टोली का रहनेवाला है।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि नाबालिग के परिजनों द्वारा 28 नवंबर को आरोपी के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। आरोपी पर शादी की नियत से नाबालिग को भगाने का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने धारा 363 आईपीसी के तहत कांड संख्या 623/19 दर्ज की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुये छापामारी कर आरोपी के पास से नाबालिग को बरामद की है।

रांची में आंध्रप्रदेश का ट्रक दुर्घटनाग्रस्त चालक व उपचालक के पैर कटे

ओरमांझी : झारखंड की राजधानी रांची के ओरमांझी प्रखंड में एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें चालक और उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया जाता है कि दोनों के पैर कट गये हैं। दुर्घटना ओरमांझी टोल प्लाजा के पास हुआ।



और उपचालक ट्रक में फंस गये। टोलकर्मियों व ओरमांझी पुलिस के अथक प्रयास के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका। दोनों के पैर कट गये हैं। गंभीर रूप से घायल ड्राइवर और सहायक को ओरमांझी पुलिस ने प्राथमिक

उपचार के बाद राजधानी रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक गाड़ी टोल प्लाजा में फंसी थी। चालक का नाम रवींद्र रेड्डी और उपचालक का नाम शंकर रेड्डी है।

पिस्तौल लहराना कांग्रेस का असली चरित्र : मीनाक्षी लेखी हेमंत बताएं कि आदिवासियों के लिए क्या किया

संवाददाता

रांची : भाजपा सांसद सह राष्ट्रीय प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने कहा कि डालटनगंज में मतदान के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार केएन त्रिपाठी द्वारा पिस्तौल लहराना कांग्रेस के असली चरित्र को दिखाता है। यह हैरान करने वाली घटना है, ऐसी घटनाएं पुराने समय होती थी, जब बन्दूक दिखाकर बूथ लूटे जाते थे। मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को भाजपा के मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।

झामुमो नेता हेमंत सोरेन के ताजा बयान कि हमें आदिवासी के अलावा किसी का वोट नहीं चाहिए पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीमती लेखी ने कहा कि हेमंत को बताना चाहिए कि सत्ता में रहते आदिवासियों के लिए क्या किया? राज्य के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि इस बयान के बाद हेमंत सोरेन को न तो आदिवासियों का वोट मिलेगा न ही गैर आदिवासियों का। क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए दोनो वर्गों के लिये कुछ नहीं किया।

आदिवासियों के नाम का

इस्तेमाल कर खुद की तिजोरी भरी : उन्होंने कहा कि आदिवासियों के नाम इस्तेमाल कर केवल अपनी तिजोरी भरने का काम किया। राज्य में अगर सबकुछ ठीक ही था तो पिछले 5 सालों में भाजपा सरकार को एक लाख लोगों को रोजगार देने की जरूरत क्यों पड़ती? हजारों शौचालय क्यों बनाने पड़ते। प्रधानमंत्री आवास योजनाएं के तहत राज्य में 6,29,535 आवासों का निर्माण हुआ। वहीं उज्ज्वला योजना के जरिये 40 लाख से

अधिक महिलाओं को चूल्हा व 2 रिफिल सिलेंडर दिए गये। सखी मंडल के माध्यम से राज्य की 20 लाख से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ीं।

कुछ भी कर सत्ता में रहना चाहते हैं : उन्होंने कांग्रेस और झामुमो के गठबंधन पर कहा कि ये कुछ भी करके सत्ता में रहना चाहते हैं। आदिवासियों के नाम की राजनीति करने वाले हेमंत ने तो जेपीएससी से स्थानीय भाषा को बाहर कर दिया। आदिवासियों के नाम पर कितनी धिनौनी राजनीति कर सकते हैं, यह हेमंत

ने दिखाया। कांग्रेस ने तो गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को ही दरकिनार कर दिया। उन्होंने कहा कि इन 5 वर्षों में राज्य को पहली बार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी दिया। जहां से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां के आदिवासी युवाओं में प्रतिभा है, भाजपा सरकार ने इन्हें अवसर दिया। संवाददाता सम्मेलन में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, मीडिया सह प्रभारी संजय जायसवाल व महिला नेत्री राजश्री जयंती शामिल थीं।

दो दिसंबर से अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच

संवाददाता

रांची : रांची जिला क्रिकेट संघ के सत्र 2019-2020 के लिए अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रांची जिला संघ के अध्यक्ष श्री अविनाश कुमार जी के द्वारा गोलचक्र मैदान धुर्वा एवं नेहरू स्टेडियम में दो दिसंबर को किया जाएगा।



उद्घाटन मैच अंडर-16 विवेकानंद बनाम टेरिंग स्कूल, अंडर-14 सचिदानंद ज्ञान भारती बनाम विकास पब्लिक स्कूल के बीच खेला जाना है। इस प्रतियोगिता के संदर्भ में मथन क्लब

में सभी स्कूलों के खेल प्रशिक्षकों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करने हेतु बैठक की गई। जिसमें

शैलेंद्र कुमार, सचिव, सुनील पाल सहित रांची जिला क्रिकेट संघ के अन्य लोग शामिल थे।

न्यूज गैलरी

बीसीसीएल 2024 तक दो नई आधुनिक वाशरी खोलकर सात मिलियन टन कोकिंग कोल का उत्पादन करने की चुनौतियों को पूरा करेगी: पीएम प्रसाद



धनबाद/जोड़ापोखर। सिंफर डिगवाडीह में कोल कार्बनीकरण में हालिया प्रगति चुनौतियों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का तकनीकी सत्र के उद्घाटन में मुख्यातिथि बीसीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर श्री प्रसाद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कंपनी 2024 तक दो नई आधुनिक वाशरी खोलकर सात मिलियन टन कोकिंग कोल का उत्पादन करने की चुनौतियों को पूरा करेगी।

70 से 80 प्रतिशत विदेशों से कोयला का आयात
बीसीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में कम्पनी के पास दो वाशरी है। जिसके. कारण वर्तमान में हम स्टील कम्पनियों को संचालित करने के लिए 70 से 80 प्रतिशत विदेशों से कोयला का आयात कर रहे हैं। जबकि ज़िंदल स्टील शत प्रतिशत विदेशी कोकिंग कोल का आयात कर रही है। वहीं सिंफर के निदेशक पी के सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक वर्तमान में पायलट परियोजना पर काम कर रहे हैं। कोकिंग कोल की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक इंडस्ट्रियल पाटर्न की सहयोग से नई तकनीकी विकसित कर 25 करोड़ की लागत से परियोजना का निर्माण कर 20 प्रतिशत विदेश से आने वाले कोयले पर नियंत्रण लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोकिंग कोल एवं नन कोकिंग कोल को ब्लेंडिंग कर कोयले में अश्क(छाय) की मात्रा को कम कर स्टील उधोग को आपूर्ति किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिदेशी कोकिंग कोयले में अश्क की मात्रा 2 प्रतिशत पाया जाता है जबकि हमारे यहाँ कोकिंग कोल में अश्क की मात्रा कई गुना अधिक पाया जाता है। संगोष्ठी में वैज्ञानिक इंचारंज आशीष मुखर्जी ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आर ई मेस्टो ने किया वहीं धन्यवाद ज्ञापन मनीष कुमार ने किया। संगोष्ठी में वेदांता, ज़िंदल,सेल,टाटा स्टील, भूषण इंडस्ट्रियल, ब्रह्मदेव सिन्हा इंडस्ट्रियल सहित अन्य कम्पनियों के प्रतिनिधि ने भाग लिया।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों व कर्मचारियों के सम्मान में किया समारोह का आयोजन

धनबाद। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में हर माह की तरह इस माह भी सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में आयोजित समारोह में बीसीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री पी एम प्रसाद, बतौर मुख्य अतिथि होकर कार्यक्रम का पोभा बढ़ाया तथा निदेशक (कार्मिक) आर एस महापात्र, मुख्य चिकित्सा सेवाए ए के गुप्ता के साथ मंच साझा किया अथा सेवा निवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पी एम प्रसाद ने अपने अध्यक्षीय भाषाण में सेवा निवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं इनके साथ विशेष रूप से सेवा निवृत्त हो रहे डाक्टरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीसीसीएल में काम करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को स्वस्थ बनाये रखने के लिए इनकी सेवा अविस्मरणीय है । उन्होंने कहा कि बीसीसीएल में काम करने वाले चिकित्सक न सिर्फ कंपनी में कार्य करने वाले कर्मचारियों की सेवा की बल्कि धनबाद में रहने वाले हर व्यक्ति को इनकी सेवा मिलती रही। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान कोल इंडिया समेत कई कंपनियों का उनको अनुभव रहा है, लेकिन बीसीसीएल द्वारा संचालित केन्द्रीय चिकित्सालय, धनबाद में मौजूद अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधायें उन्हें काफी

अच्छा लगा उन्होंने इसे और बेहतर बनाने की बात भी कही ताकि धनबाद के लोगों की उम्मीदों पर ये अस्पताल खरा उतरे।अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पी एम प्रसाद ने कहा कि बीसीसीएल कोयले के उत्पादन के लक्ष्य को भी प्राप्त करता जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कोयले का उत्पादन बेहतर रहा। इसका सीधा लाभ कंपनी और यहाँ के लोगों को मिलेगा। इस उपलब्धि को प्राप्त करने में सेवा निवृत्त हो रहे अधिकारियों, कर्मचारियों का तथा वर्तमान में कार्यरत सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का भी अहम योगदान है।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) आर एस महापात्र ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लम्बे कार्य अनुभव एवं कार्यकुशलता से कंपनी वंचित हो जायेगी जिसकी भरपाई संभव नहीं है तथा उन्होंने कहा कि धनबाद का भविष्य पूरी तरह बीसीसीएल पर निर्भर है। कंपनी का स्वस्थ रहना और फलते फूलते रहना यहाँ के सामाजिक, आर्थिक और पेश्णिक विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने यही कहा कि बीसीसीएल का भविष्य बहुत ही उज्ज्वल है और इसको लेकर लोगों के बीच किसी तरह का भी संशय नहीं बना रहना चाहिये। अपने सम्बोधन में उन्होंने सेवा निवृत्त हो रहे चिकित्सकों की तारीफ की और कहा कि इनका योगदान कंपनी के लिए बहुत

विकास के आधार पर अपना विधायक चुने-कुमार जयमंगल सिंह

कथारा/बेरमो। बेरमो विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के साझा उम्मीदवार व कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र प्रसाद सिंह का जरीडीह बाजार स्थित मुख्य बाजार के झंडा चौक में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन कुमार जयमंगल सिंह के हाथों किया गया जिस कार्यक्रम के दौरान फुसरो नगर परिषद अध्यक्ष राकेश सिंह, झामुमो के अनिल अग्रवाल, बेरमो कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद सिंह, बबलू भगत, ओम प्रकाश कश्यप, मुखिया करूणा देवी, कंचन देवी, लक्ष्मी सिंह,मो. खालिक सहित अन्य कई लोग

जनसंपर्क अभियान



राजधनवाा। राजधनवार विधानसभा के तृतीय चरण चुनाव को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है इसी कड़ी में शनिवार को निर्दलीय प्रत्याशी अनूप कुमार संधालिया ने भी दर्जनों से अधिक गांव का दौरा किया जिसमें गांव प्रखंड के मंझने, पसनोर, चिहूँटिया आदि गांव शामिल थे साथ मे लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की इस दौरान उसके कई सप्थक भी साथ में दिखे।



मुख्य रूप से शामिल थे जिस दौरान कुमार जयमंगल सिंह ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपना विधायक विकास

के आधार पर चुने।जात पात की राजनीति छोड़कर विकास पुरुष का चयन करें साथ ही साथ अपने पिता राजेंद्र प्रसाद सिंह के द्वारा

जेवीएम प्रत्यासी चंद्रिका महथा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

जमुआ(गिरिडीह): जेवीएम प्रत्यासी चंद्रिका महथा ने शनिवार को जमुआ प्रखंड के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया।

मौके पर श्री महथा ने कहा कि जमुआ प्रखंड के जोरासांख, चरघरा, चचघरा, नावाडीह, पिंडाराबाद, पत्रोगुंडी, दडोमनपहरी, बरदबटिया सहित दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों से मिले एवं अपने पक्ष में मतदान करने की अपील किया। मौके पर पूर्व विधायक सह जेवीएम प्रत्यासी चंद्रिका महथा ने क्षेत्र भर्माण के दौरान पत्रकारों



को बताया कि क्षेत्र के लोग मुख्यमंत्री के रूप में बाबू लाल मरांडी को देखना चाहते हैं। कहा कि वर्तमान विधायक एवं सरकार ने विकास के नाम पर क्षेत्र के लोगों को सिर्फ लूटने का काम किया है,लोग सरकार एवं विधायक के क्रियाकलाप से खासे नाराज है। कहा कि इस

बार हमें क्षेत्र के लोगों का भरपूर समर्थन प्राप्त है।

मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सदानंद साव, प्रखंड सचिव ताहिर हुसैन, जिला सचिव मंजूर अंसारी, मो.सत्तार, मो.एकरार आलम, संतोष गुप्ता, इस्लाम अंसारी, विनोद सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

15 प्रत्याशियों का नामांकन हुआ रद्द, टुंडी से सर्वाधिक 5 रद्द



जनशक्ति पार्टी की अनिता पासवान का नामांकन पत्र रद्द किया गया। धनबाद विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी अखिलेश्वर महतो तथा प्रेम प्रकाश पासवान का नामांकन रद्द किया गया। झरिया विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी संजीव सिंह तथा रवीन्द्र कुमार सिंह, टुंडी से मोतिलाल किस्कु (निर्दलीय), कमल प्रसाद साहु (समाजवादी पार्टी), मुन्ना विश्वकर्मा (एनसीपी), देवी लाल किस्कु (झारखंड मुक्ति मोर्चा उलुगुलान) तथा लोक जनशक्ति पार्टी के सुरेंद्र सिंह का नामांकन रद्द किया गया। बाघमार से कांतिक महतो तथा एलजेपी के विनोद कुमार गोस्वामी का नामांकन रद्द किया गया। सिंदरी विधानसभा से एक भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं किया गया।

दिव्यांग बच्चों के विद्यालय में मेंटर्स ट्रेनिंग का समापन

धनबाद। दिव्यांग बच्चों की स्कूल पहला कदम में नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा परिवार नेटवर्क कार्यक्रम के अंतर्गत सेल्फ एडवोकेसी फोरम ऑफ इंडिया के तहत मेंटर्स ट्रेनिंग के 7 वे सप्ताह का समापन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित हुए। उन्हें 6 सप्ताह तक बच्चों को दी गई ट्रेनिंग की जानकारी दी गई और समय समय पर सरकार से मिलने वाली सुविधाओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर अभिभावक संघ के अध्यक्ष शिवाजी यादव, सचिव शहिद जी, कृष्णा अग्रवाल की सक्रिय भूमिका रही। सेल्फ एडवोकेसी ट्रेनिंग में बच्चों को आत्म निर्भर बनाना, अपनी रक्षा स्वयं करना, व्यवसायिक प्रशिक्षण, अपने व्यवहार में नियंत्रण, शॉपिंग करना, मतदान करना इत्यादि से संबंधित ट्रेनिंग दी गई।

20 दिसंबर की शाम तक एगिजट पोल पर प्रतिबंध

धनबाद। भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 के लिए अधिसूचना जारी कर 30 नवंबर के सुबह 7:00 बजे से 20 दिसंबर 20 के संध्या 5:30 बजे के बीच किसी भी प्रकार के एगिजट पोल के प्रकाशन एवं प्रसारण पर प्रतिबंध लागू किया है। भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 %क% की उपधारा (2) के उपबंधो के प्रावधानों के अनुसार इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के एगिजट पोल के संचालन और उसके परिणाम ऐसे एगिजट पोल के परिणामों तथा ऐसे एक्जिट पोल के परिणाम के प्रसार पर प्रतिबंध लागू किया। भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126(1)(ख) के अधीन उपयुक्त साधारण निर्वाचनों के संबंध में प्रत्येक चरण के संबंधित मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले का, किसी भी ऑपिनियन पोल या अन्य किसी पोल सर्वे के परिणामों सहित, प्रदर्शन किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से करने पर प्रतिबंध लागू किया है।

5 लाख के अवैध शराब को धनबाद उत्पाद विभाग ने टुंडी के निर्माणाधीन मकान से किया ज़ब्त

धनबाद। उत्पाद विभाग छापामारी टीम ने देव पहाड़ी तार कोचा टोला ,पूर्वी टुंडी के एक निर्माणाधीन मकान में छापा मारकर 918 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त किया जिसमें 60 पेटी रॉयल स्टैंग की तथा 42 पेटी इपीरियल ब्लू की थी इनकी कीमत लगभग 7500000 के करीब है जिसमें अवैध शराब धंधे बाज जियालाल टू टू तथा रसिकलाल हेंबम फरार हो गए, छापामारी टीम में इंस्पेक्टर महेंद्र देव सिंह सब इंस्पेक्टर भुवनेश्वर नायक सब इंस्पेक्टर सनी विवेक तिकी जिला बल से प्राप्त पुलिस बल उत्पाद सिपाही शामिल थे धनबाद उपायुक्त में



चुनाव के महेनजर अवैध शराब की छापामारी के लिए उत्पाद

आजसू प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने दर्जनों गांव का किया दौरा



कोडरमा। शनिवार को डोमचांच प्रखंड के विभिन्न इलाकों में आजसू प्रत्याशी शालिनि गुप्ता ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान कई जगहों पर लोगों ने वर्तमान विधायक के वादे पर कहा कि पिछले 5 साल में विकास के वादे तो बहुत हुए पर स्कूलों और अस्पतालों की क्या स्थिति है, यह वहीं जाकर देखा जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की हालत खस्ता है और प्रतिदिन सड़क हादसों में लोग मारे जा रहे हैं। लोगों ने शालिनी गुप्ता को पूरा समर्थन और साथ देने का वादा किया। आजसू प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने शुक्रवार को डोमचांच प्रखंड के नेरपुर, नेरोनावाडीह, चितरपुर, इंद्रवा उपरिटोला, सलईडीह, गरहाय पांडेयडीह, झारीटॉड, डेबुआडीह, सिंगपुर, खेरीडीह, चंद्रोडीह, समेत विभिन्न गांवों का दौरा किया।

पलामू के हरिहरगंज में एनसीपी कार्यकर्ता और आजसू प्रत्याशी में मारपीट

इन बुथों पर एक भी वोट नहीं डाले गये, दिनभर मतदाताओं को मनाते रहे अधिकारी
विदित हो कि डेमा आजसू प्रत्याशी और हुसैनाबाद के निवर्तमान विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता का पैतृक गांव है। एनसीपी कार्यकर्ता दिलीप कुमार का आरोप है कि निवर्तमान विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता अपने इलाके का प्रभाव जमाना चाहते थे। अपने पक्ष में वोटिंग के लिए दबाव डाल रहे थे। इसी से मामला बिगड़ गया। इसी तरह हरिहरगंज के तेंदुई में एनसीपी और भाजपा समर्थित उम्मीदवार विनोद सिंह के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हुई। छतरपुर के एसडीपीओ ग्रंथ सिंह ने बताया कि तेंदुई की घटना मामले में एक को हिरासत में लिया गया है।दोनों मामले की जांच तेज की गयी है। मामला भी दर्ज किया जायेगा। उअर, इसी विस क्षेत्र के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पसा गांव में एनसीपी और भाजपा समर्थित उम्मीदवार के बीच मारपीट की घटना हुई।इस मामले में भी पुलिस छानबीन कर रही है।

मेदिनीनगर। पलामू के डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर थाना क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत के बाद हुसैनाबाद विस क्षेत्र में भी एनसीपी और आजसू कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट की घटना हुई है। इससे संबंधित एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें निवर्तमान विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता और एनसीपी कार्यकर्ता आपस में मारपीट करते देखे जा रहे हैं। मामला हरिहरगंज थाना क्षेत्र के बृथ संख्या 79 डेमा गांव का है। दोनों ओर से जमकर लात-घूंसे चल रहे हैं। मामला थाना पहुंच गया है। दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज कराने की तैयारी है। समाचार भेजे जाने तक दोनों पक्षों के लोग प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन लेकर हरिहरगंज थाना पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार दोपहर में डेमा गांव में बने बृथ पर दोनों पक्षों के बीच अचानक भिड़ंत हुई और देखते-देखते दोनों ओर से जमकर मारपीट हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि इस मारपीट में आजसू प्रत्याशी और हुसैनाबाद के निवर्तमान विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता शामिल रहे। इससे संबंधित वायरल वीडियो में निवर्तमान विधायक को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

धनबाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सिंदरी नगर इकाई ने हैदराबाद में नृशंस हत्या में मारी गई महिला डॉक्टर को दी श्रद्धांजलि

धनबाद। धनबाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सिंदरी नगर इकाई ने हैदराबाद में नृशंस हत्या में मारी गई महिला डॉक्टर को श्रद्धांजलि अर्पण करते हुए महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने हेतु सरकार और प्रशासन से मांग की है कि सभी दोषियों को जल्द से जल्द चिन्हित कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।अभाविप सिंदरी नगर मंत्री अंकित कुमार मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार की घटना देश को शर्मशार करने वाली है।सरकार को एवं अन्य जिम्मेदार लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा की इस प्रकार की घटनाओं पर शीघ्र अति शीघ्र रोक लगे तथा जो इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने वाले राक्षसी प्रवृत्ति के लोग हैं उन्हें चिन्हित किया जाए तथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस प्रकार की अमानवीय घटनाओं को रोकने के लिए एक कड़ा कानून लाने की आवश्यकता है। वहीं अभाविप कार्यकर्ता सुमन कुमारी ने कहा कि आज पूरा देश इस नृशंस घटना पर अत्यंत दुखी है। हम यह आशा करते हैं कि ऐसी अमानवीय घटनाओं को रोकने के लिए सरकार और प्रशासन तो आगे आए ही इसके अलावे समाज भी ऐसे कुक्कुत्त्यों को रोकने के लिए आगे आकर उन राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित करे, जो ऐसी अमानवीय घटनाओं को अंजाम देते हैं। हम सभी यह प्रयत्न करेंगे कि सकारात्मक सोच से ऐसे घृणित लोगों की घृणित मानसिकता को बदला जा सके। मुख्य रूप से श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूजा, पलक, सुषमा, सुमन,नंदिता, प्रत्यूष, विकी, विशाल, अमृत, आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

एलइडी वैन से चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान



धनबाद। विधानसभा चुनाव 2019 को गोविंदपुर प्रखंड के करमाटांड पंचायत के करमाटांड बस्ती में एलइडी वैन के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर लोगों को मतदान का महत्व बताया गया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन /वीवीपैट के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

मतदाताओं को वोटर्स हेल्पलाइन संख्या 1950 की जानकारी दी गई एवं आचार संहिता के उल्लंघन संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज करने के लिए सी बिजिल एप की जानकारी दी गई।

लोगों को योग्य महिला एवं दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं के निबंधन की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि मतदाता अपने वोटर पहचान पत्र व मतदान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी जागरूकता संबंधित वीडियो को एलईडी वैन के माध्यम से दिखाया गया। अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान के बारे में जानकारी प्राप्त की।

नामांकन के अंतिम दिन 45 प्रत्याशियों ने किया नॉमिनेशन

धनबाद। 16 दिसंबर 2019 को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन 45 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। 38 सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता श्री श्याम नारायण राम के समक्ष निर्दलीय प्रत्याशी अमरेश कुमार सिंह, बिष्णु महतो व आशिष सिंह तथा शिव सेना के कार्तिक महतो, लोक जनशक्ति पार्टी के शैलेन्द्र नाथ द्विवेदी ने नामांकन किया। 39 निरसा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी श्री संदीप कुमार दोराईबुरू के समक्ष झामुमो के अशोक मंडल, लोक जनशक्ति पार्टी की अनिता पासवान, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के भागवत महतो, झाविमो पी के बम्पी चक्रवर्ती, हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा की किरण देवी, एनसीपी के उमेश गोस्वामी एवं निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद शहाबुद्दीन अंसारी ने नामांकन किया।

40 धनबाद विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी श्री राज महेश्वरम के समक्ष हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राम विनय सिंह, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के विनोद चंद्रवंशी, भारतीय दलित पार्टी के मोहम्मद फैसल खान, समाजवादी पार्टी के मेराज खान, आजसू पार्टी के प्रदीप मोहन सहाय तथा निर्दलीय प्रत्याशी मेघनाथ स्वामी एवं सुरेंद्र कुमार ने नामांकन किया। 41 झरिया विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता (विधि व्यवस्था) श्री अनिल कुमार के समक्ष झाविमो के योगेंद्र यादव, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के रुदल पासवान, एलजेपी के दिना नाथ ठाकुर, तृणमूल कांग्रेस की उषा देवी तथा निर्दलीय प्रत्याशी इंद्रजीत सिंह, विक्की कुमार, कुंती देवी, सलिक हुसैन एवं मोहम्मद आलम ने नामांकन किया। 42 टुंडी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता श्री सतीश चंद्र के समक्ष समाजवादी पार्टी के कमल प्रसाद साहू, झारखंड मुक्ति मोर्चा उलुगुलान के देवीलाल किस्कु, सीपीआई के सुर्दे शर्मा, बीएसपी के भास्कर प्रसाद ओझा, फारवर्ड ब्लाक के गोपाल महली, लोक जनशक्ति पार्टी के सुर्दे सिंह तथा निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप कुमार मोदी, मोहम्मद शौकत रजा एवं ज्ञान रंजन सिन्हा ने नामांकन किया। 43 बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह निदेशक जिला ग्रामीण विकास अधिकरण श्री संजय कुमार भगत के समक्ष जेडीयू के सुभाष राय, एलजेपी के विनोद कुमार गोस्वामी, समाजवादी पार्टी के मोहम्मद मुजाहिद, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के धर्मेन्द्र कुमार भुइंया तथा निर्दलीय प्रत्याशी पिंटू कुमार गुप्ता, डेली देवी, पंचम सिंह एवं कार्तिक महतो ने नामांकन किया।

राजद ने किया चुनावी कार्यालय का उद्घाटन



मरकच्चो कोडरमा। प्रखंड मुख्यालय स्थित बंधन चौक के समीप जामु रोड में शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल का चुनावी कार्यालय खोला गया। कार्यालय का उद्घाटन गठबंधन पार्टी के नेता गोपाल यादव व महावीर यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। मौके पर शरफुद्दीन मियां, सतीश सिंह, भुनेश्वर यादव, रविशंकर सिंह, नारायण यादव, लक्ष्मण यादव, जयशंकर यादव, रामचन्द्र यादव समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजद प्रत्याशी को माकपा ने किया समर्थन की घोषणा झारखंड की डबल इंजन की सरकार सभी मोर्चा पर फेल साबित हुई है: माकपा

कोडरमा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कोडरमा विधानसभा क्षेत्र मे राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी अमिताभ कुमार उर्फ बबलू चौधरी को समर्थन करने की घोषणा किया है। उक्त निर्णय माकपा जिला कमिटी की बैठक मे सर्वसम्मति से लिया गया। राज्य कमिटी से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश प्रजापति ने बयान जारी कर कहा कि जनविरोधी भाजपा को रोकने व सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए पार्टी ने राजद को समर्थन करने का

सीसीएल ढोरी व बीएंडके में विदाई सह सम्मान समारोह

बेरमो। सीसीएल बीएंडके व ढोरी प्रक्षेत्र में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत्त 11 सीसीएल कर्मियों व अधिकारियों को विदाई दी गई। सीसीएल बीएंडके प्रक्षेत्र के करगली ऑफिसर्स क्लब में समारोह अयोजित कर विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत 08 सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मियों को विदाई दी गई। मुख्य अतिथि एसओएम एसपी पांडेों ने कहा कि आप सीसीएल परिवार के अभिन्न अंग है और सीसीएल के लिए बड़े ही दूख का विषय है कि आप सभी विदा हो रहे हैं। सेवानिवृत्त कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। एमटी एस वल्स, एसीसी सदस्य गजेंद्र प्रसाद सिंह, शक्ति मंडल, अवधेश दुबे ने भी अपने विचार रखें।



इधर सीसीएल ढोरी जीएम ऑफीस में सम्मान सह विदाई समारोह आयोजन कर तीन कर्मचरियों को विदाई दी गई। मुख्य अतिथि जीएम ऑपरेशन आरआर श्रीवस्तव ने कहा कि आप सभी लोगों के

सेवानिवृति से इस कंपनी को जो हानि हो रही है उसे भरना संभव नहीं है। सेवानिवृति के बाद आप सभी स्वस्थ रहें और जीवन के दूसरी पारी में योजनाबद्ध तरीके से अपने परिवार के साथ आप आनंदपूर्वक रहें। आप

लोग अपने अनुभवों को परिवार एवं समाज के युवाओं के बीच में बांटे। मौके पर सहायक प्रबंधक तौकरी आलम, अस्था, एके श्रीवास्तव, यूनियन प्रतिनिधि कैलाश ठाकुर, आर उनेश आदि उपस्थित थे।

आम जनता के बीच दिगांबर कुमार मेहता के प्रति अच्छ सोच है एवं लहर भी है



पंडित गांगो नायक जंग बहादुर सिंह डोपी बॉस दिलीप दास दुलारचंद रविदास त्रिवेणी दास नारायण ठाकुर बुलाकी जादव रामचंद्र पासवान कैलाश पासवान महावीर प्रसाद हरी प्रसाद वर्मा सरजू महतो कृष्णा प्रसाद कुशावाहा सुधीर गिरी गुरुदेव सिंह आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

ऑक्सब्रिज के छात्रों ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान



झुमरीतिलैया। ऑक्सब्रिज कम्युनिकेशन सेंटर के छात्र-छात्राओं के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें अरुण कुमार, पप्पू पंडित, दिव्या राणा, सुनिधि सिंह, नेहा कुमारी, अंजली कुमारी, सुलेखा कुमारी, प्रेम पांडे, शालिनी कुमारी ने नुक़्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी जिसका थीम पहले मतदान, फिर जलपान था।

विद्यार्थियों ने झुमरी तिलैया के तीन विभिन्न स्थानों पर झंडा चौक, वीर कुंवर सिंह चौक, जवाहर टॉकीज दुर्गा मंडप पर अपनी नुक़्कड़ नाटक के जरिए आम जनता को जागरूक करने का प्रयास किया।

वहीं कुछ विद्यार्थियों ने *जुल्म नहीं, हुड़डंग नहीं, हम जोर लगाने आए हैं.....* गीत के माध्यम से लोगों तक अपना संदेश पहुंचाया। वहीं अन्य विद्यार्थियों ने *जागो रे जागो अब तो जागो रे साथी ,मतदान का दिन है आया ,अब तो जागो रे साथी* गीत के माध्यम से मतदाताओं को जगाने का प्रयास किया।

और आम जनता को बताया की वोट को बेचे नहीं या लालच में ना दें जात पात से उठकर देश के विकास, खुद के विकास ,समाज के विकास के लिए अपना मतदान करें। कीशल किशोर सोनू ने मंच का संचालन किया। वसीम,स्वाति ,रिशु कुमार, नेहा कुमारी रितिका एवं राजेश तथा शिवम ने *लोकतंत्र का जश्न मना लो राज रहेगा वोटर का* गाने के बोल से मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया। दारू है पैसा है उनका हथियार ,इस बार नहीं चलेगा यह विचार; मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं, वरन शक्ति है ; सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो ; बच्चा-बच्चा करे पुकार वोट डालना तुम हर बार। इन सब नारों के साथ बच्चों ने हाथ से बने पेंटिंग से भी मतदाताओं को जागरूक बनाने का प्रयास किया।

इस अभियान को सफल बनाने में कोडरमा स्वच्छता अभियान के ब्रांड मिस्टर श्री अरुण मिश्रा, वार्ड कमिश्नर श्री विशाल सिंह, एससीटी सेंटर के कंप्यूटर शिक्षक सौरभ वर्मा , ऑक्सब्रिज कम्युनिकेशन सेंटर से कस्टूरी भारद्वाज खुशनुमा परवीन एवं सागरिका भारती तथा ऑक्सब्रिज कम्युनिकेशन सेंटर के निदेशक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रियंका रेड्डी बलात्कार काण्ड की माकपा ने किया भर्त्सना

देश मे बेटियाँ सुरक्षित नहीं, बेटी बचाओ का नारा झूठ: संजय पासवान

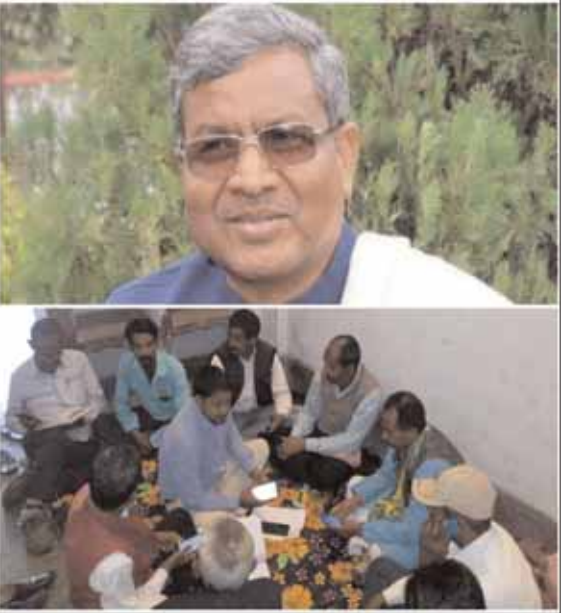
कोडरमा। हैदराबाद मे एक भेटनरी डॉक्टर 24 वर्षीय प्रियंका रेड्डी का बलात्कार और जलाकर मार देने की घटना की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने तीव्र भर्त्सना करते हुए कहा कि इस घटना ने निर्भया और आशिफा बलात्कार काण्ड की याद दिला दिया है. मानवता को शर्मशार करने वाली इस वीभत्स घटना से पूरा देश शर्मिन्दा है. ज्ञात हो कि गुरुवार को रात्रि 9 बजे हैदराबाद की डॉ0 प्रियंका रेड्डी का स्कूटी का टायर पंचर होने के कारण अपराधियों ने उसे हव्स का शिकार बनाया और सामूहिक बलात्कार के बाद उसे जलाकर मार दिया। घटना की निंदा करते हुए माकपा राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान ने कहा कि देश भर मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया दिया जा रहा है, जो झूठा है. आज देश मे कहीं भी बेटियाँ सुरक्षित नहीं है. इस समय भी मेरे देश में एक लड़की को इस बात से डरना पड़ता है कि नौकरी के बाद घर कैसे सुरक्षित लौटूंगी. समय आ गया है कि सरकार इस घृणित अपराध को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई करें और अपराधियों को ऐसी सजा मिले कि दूसरे अपराधियों की रूह कांप जाय।

निर्भीक, निष्पक्ष रूप से शत प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग



गिरिडीह। जमुआ प्रखण्ड मॉडल भवन सभागार में शनिवार को अंचलाधिकारी रामबालक कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए सीओ श्री कुमार ने कहा कि झारखण्ड विधान सभा चुनाव 2019 के तहत जमुआ विधानसभा में 16 दिसम्बर को मतदान होना है। निर्भीक, निष्पक्ष रूप से शत प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग प्राथमिकता के तहत सुनिश्चित हो मतदाताओं में जागरूकता लाने उत्तेरित करने के उद्देश्य से प्रखण्ड के तारा पंचायत के उच्च विद्यालय मैदान में 5 दिसम्बर को मैत्रीपूर्ण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के बीच मैच खेला जायेगा। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों ने भी विचार ब्यक्त किये। वी वी पैड के माध्यम से मतदान की प्रारंभिक से अंतिम चरण तक प्रायोगिक जानकारी दिया गया। हरला मुखिया महेंद्र कुमार, जरीडीह मुखिया रमेश प्रसाद कुशवाहा, चुंगला मुखिया दिनेश मंडल, कुरहीबिंदो पंचायत समिति सदस्य रणबहादुर पासवान, पोबी मुखिया नकुल कुमार पासवान, मनरेगा बीपीओ हीरो महतो, पीएम आवास बीसी संतोष कुमार वर्मा, सोनू कुमार, नीरज कुमार, प्रवीण कुमार, सुभाष पंडा, जफर इकबाल, विष्णु नारायण वर्मा, सुधीर द्विवेदी, बद्री यादव, विनोद सिंह योगेश कुमार पाण्डेय सहित अंचल, प्रखण्ड कर्मी, अन्य पंचायत के जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह झाविमो प्रमुख बाबूलाल मरांडी आज कोडरमा में



डोमचांच। डोमचांच नगर क्षेत्र टैक्सी स्टैंड के समीप जेवीएम कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और झाविमो प्रमुख बाबूलाल मरांडी आज कोडरमा जिले के मरकच्चो हॉस्पिटल मैदान आ रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें की पूरे जिले के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में आज जोश भरेंगे साथ ही एक सभा को संबोधित भी करेंगे और देंगे जीत का मंत्र। उनके भव्य स्वागत के लिए पूरे जिले में तैयारियां चल रही है। कोडरमा विधानसभा झाविमो उम्मीदवार यादव रमेश हर्षधर के नेतृत्व में मरांडी के भव्य स्वागत की तैयारी शनिवार को दिन भर चलती रही। शनिवार को मरकच्चो हॉस्पिटल मैदान के साथ पूरे विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के झंडे से पाटने का काम किया जा रहा है पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में मरांडी का भव्य स्वागत करने का फैसला किया गया। बैठक में झाविमो प्रत्याशी यादव रमेश हर्षधर दीपक कुमार सुरेंद्र मेहता संजय सिंह धारावी, उपेंद्र पांडे, राजेश रजक, प्रवीण कुमार मौजूद थे।

एचजेडबी आरोग्यम हॉस्पिटल को स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया

आयुष्मान भारत योजना में उत्कृष्ट सेवा और विचार देकर आरोग्यम हॉस्पिटल ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

कृष्ठ पुरस्कार सराहना के लिए नहीं वास्तविक होते हैं: हर्ष अजमेरा हजारीबाग। हजारीबाग शहर प्रख्यात निजी अस्पताल एचजेडबी आरोग्यम हॉस्पिटल को शुक्रवार की शाम को सीईओ एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली के कार्पिटटयूशन क्लब आफ इंडिया सभागार में आयोजित स्कॉच अवार्ड समारोह- 2019 में स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रधानमंत्री आरोग्य योजना/ आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्कृष्ट सेवा देने और समारोह में उत्कृष्ट विचार देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया। हॉस्पिटल की ओर से निदेशक सह शहर के युवा उद्यमी हर्ष अजमेरा ने यह अवार्ड ग्रहण किया। उन्हें यह अवार्ड स्कॉच के चेयरमैन समीर कोचर, भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अमरजीत सिन्हा, नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद कुमार पाल सहित अन्य गणमान्य लोगों के हाथों प्राप्त हुआ। ज्ञात हो कि यह अवार्ड समारोह डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक परिवेश के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को शामिल करता है। यह शासन, समावेशी विकास, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों में उत्कृष्टता, प्रबंधन, कारपोरेट नेतृत्व, कारपोरेट प्रशासन, नागरिक सेवा वितरण, क्षमता निर्माण, सशक्तिकरण और अन्य ऐसे नरम मुद्दों को शामिल करता है जो आमतौर पर ग्लैमर और उद्योग प्रायोजित के ग्लिट्ज़ में खो जाते हैं। ये व्यापार पुरस्कार आधारित नामांकन पर आधारित प्रतिस्पर्धा पुरस्कार है। वर्ष 2003 में स्थापित स्कॉच अवार्ड एक स्वतंत्र संगठन द्वारा प्रदत्त देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। स्कॉच पुरस्कार अपने नजरिए, चयन प्रक्रिया और एक सघन मापदंड को लेकर एक विशिष्ट स्थान रखता है। इसके लिए जहां प्रतिभागी के कार्यों की पूरी लेखा- जोखा, उनके अंतर्मन के विचार और इस पर देश के लोगों का मंतव्य वोटिंग के माध्यम से लेने के पश्चात ही निर्णय लिया जाता है। इधर स्कॉच अवार्ड से सम्मानित होने के बाद आरोग्यम हॉस्पिटल के निदेशक सह युवा उद्यमी हर्ष अजमेरा ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि मुझे तब अपार गर्व की अनुभूति हुई जब राष्ट्रीय पटल पर मेरे मातृभूमि हजारीबाग का नाम गुंजा। राष्ट्रीय स्तर पर 1500 प्रतिभागियों के बीच हजारीबाग का नाम शुमार होना और हमारे आरोग्यम हॉस्पिटल की उत्कृष्टता की चर्चा होना मुझे नई उर्जा से परिपूर्ण करता है। उन्होंने कहा कि कुछ पुरस्कार सराहना के लिए नहीं वास्तविक होते हैं। ऐसे वास्तविक स्कॉच अवार्ड पाकर हमें सेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी कार्यों को करने का मनोबल ओर ऊंचा हुआ।

बढ़ती आर्थिक सुस्ती

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के आर्थिक विकास दर के आंकड़े निराश करने वाले तो हैं, लेकिन उनसे हैरानी इसलिए नहीं, क्योंकि कुछ ऐसा ही होने का अंदेशा था। यह अंदेशा तभी उभर आया था जब पहली तिमाही में आर्थिक विकास दर पांच प्रतिशत पर आ टिकी थी। वास्तव में तभी स्पष्ट हो गया था कि अगली तिमाही में भी आर्थिक विकास दर में गिरावट का सिलसिला कायम रहने वाला है। जुलाई-सितंबर माह की 4.5 प्रतिशत जीडीपी दर बीते छह वर्षों में सबसे कम है। इतनी कम विकास दर इसलिए सरकार की चिंता बढ़ाने वाली है, क्योंकि अनुमान यह लगाया था कि विकास दर 4.7 प्रतिशत रह सकती है। अनुमान से भी अधिक गिरावट के बाद सरकार पर ऐसे कदम उठाने का और अधिक दबाव होगा, जिनसे विकास दर में गिरावट का सिलसिला थमे। इस दबाव के बावजूद इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सरकार ने अर्थव्यवस्था की सेहत सुधारने के लिए जो कदम उठाने शुरू किए, उनका असर आनन-फानन नहीं हो सकता। ध्यान रहे कि उसकी ओर से ये कदम उठाने की शुरुआत ही तब हुई, जब दूसरी तिमाही खत्म होने वाली थी। इसकी संभावना है कि सरकार के इन कदमों के साथ त्योहारी खरीद का सकारात्मक असर अगली तिमाही के आंकड़ों में दिखेगा, लेकिन इसके बावजूद अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर आने में और वक्त लग सकता है। इसकी बड़ी वजह मैन्यूफैक्चरिंग के साथ कृषि क्षेत्र का खराब प्रदर्शन है। यह सामान्य बात नहीं पिछले साल के मुकाबले इस साल कृषि विकास दर लगभग आधी रह गई है। आर्थिक सुस्ती के कारण किसी से छिपे नहीं। इन कारणों में सबसे चिंताजनक यह तथ्य सामने आना है कि उपभोक्ता खर्च कम हो रहा है। यह कमी शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में हो रही है। इसका मतलब है कि लोग भविष्य को लेकर आशंकित हैं और बचत करना पसंद कर रहे हैं। इससे इनकार नहीं कि बीते दो-तीन महीनों में सरकार एक के बाद एक करीब दो दर्जन कदम उठा चुकी है और इनमें कुछ कदम ऐसे रहे जिन्हें क्रांतिकारी कहा गया, जैसे कॉर्पोरेट टैक्स दरों में व्यापक कटौती। इस कटौती से कॉर्पोरेट जगत को प्रोत्साहन तो मिला है, लेकिन इस तथ्य को ओझल नहीं कर सकते कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो भी कदम उठाए गए हैं, वे आपूर्ति बढ़ाने वाले हैं। ऐसे में सरकार को कुछ ऐसे भी उपाय करने चाहिए, जिससे मांग बढ़े। यह तभी होगा, जब उपभोक्ता अपना खर्च बढ़ाएंगे। उचित होगा कि कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती के बाद व्यक्तिगत आयकर दरों में कटौती करने के साथ अन्य वे उपाय किए जाएं, जिससे लोग खपत बढ़ाने को प्रेरित हों।

तकनीक की मार

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने एक अद्भुत प्रस्ताव रखा है। उन्होंने अपने देश की सरकारी एजेंसियों से कहा है कि वे अगले साल सिविल सेवा के अधिकारियों की दो रैंक समाप्त कर दें और उनका काम आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए कराएं। इसके पीछे विडोडो का असली मकसद अधिकारियों का बोझ कम करना या सरकारी खर्च घटाना नहीं है। उनका उद्देश्य है लाल फीताशाही में कमी लाना, जो उनके मुताबिक निवेश के रास्ते में बाधक है। वैसे दुनिया भर में एआई का इस्तेमाल खर्चा बचाने के लिए ही किया जा रहा है। जो काम अब तक पूरे-पूरे विभाग के जिम्मे हुआ करते थे, उन्हें अब एआई के जरिये निपटया जा रहा है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। इसकी शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी, लेकिन भरोसेमंद मानी जाने लायक यह अभी ही हो पाई है। गलतियों के जरिये सीखने का यह कंप्यूटर सिस्टम उन्हीं तर्कों के आधार पर काम करता है, जिनसे मानव मस्तिष्क चलते हैं। एआई ने रोबॉटिक्स को पूरी तरह बदल दिया है। रोबॉट में अब तकनीक के चलते नया सीखने की क्षमता आ गई है। अब वह बहुत से फैसले खुद भी ले सकता है। ज्यों-ज्यों एआई का दायरा बढ़ रहा है, दुनिया भर में बहस तेज होती जा रही है कि यह मनुष्यता के लिए उपयोगी है या घातक? एक तबका मानता है कि यह तमाम वर्कर्स की जगह ले लेगा और उन्हें भूखों मरने के लिए छोड़ देगा, लेकिन दूसरी राय है कि इसकी वजह से कई नए रोजगार पैदा भी होंगे। आम राय है कि एआई के मजबूत होते जाने के साथ ही ड्राइवर से लेकर डेटा एंट्री ऑपरेटर्स को बड़ी संख्या में नौकरियां खोनी पड़ेंगी। अधिक मानसिक क्षमता वाले काम भी इससे प्रभावित होंगे जिससे डॉक्टर, जर्नलिस्ट और वकालत से जुड़ी नौकरियों पर भी खतरा बढ़ेगा। लेकिन वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की पिछले साल की रिपोर्ट के मुताबिक एआई अगले कुछ सालों में जितने रोजगार खत्म करेगा उससे कहीं ज्यादा नए रोजगार पैदा करेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक ईसान का आधे से ज्यादा काम (करीब 52 फीसदी) मशीनें करने लगेगीं। अभी हमारे कुल काम का केवल 29 फीसदी मशीनें करती हैं। जब मशीनें ईंसानों से ज्यादा काम करने लगेगी तो पूरी दुनिया में 7.5 करोड़ लोगों को नौकरियां खोनी पड़ेंगी, लेकिन एआई के कारण 13.3 करोड़ नई नौकरियां भी आएंगीं। ऐसे में जितनी जाँब जाएंगी उससे 5.8 करोड़ ज्यादा नई नौकरियां मार्केट में आ जाएंगीं। सबसे तेज बढ़ने वाली नौकरियां होंगी- डिवेलपर्स, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया स्पेशलिस्ट की। जाहिर है, रोजगार खास तकनीकी विशेषज्ञता वाले लोगों को ही मिल सकेगा। बहरहाल, अभी तो इंडोनेशिया के अफसरों और ऐसे ही कुछ और काम करने वालों को एआई के कारण बेरोजगारी ही झेलनी पड़ेगी।

संवैधानिक समानता का अधूरा सपना

भारत लाकर यहाँ ईसाई मिशनों को ठंडा करना था, किंतु दुर्भाग्य से गांधीजी ने उस आलोचनात्मक विमर्श के बदले मिशनरी प्रचारों को ही आदर देकर ईसाइयों को अच्छा ईसाई बनने का उपदेश दिया। फलतः यहाँ मिशनरी और जम गए। जबकि धर्मांतरण रोकने का रामबाण सभी धर्मों के वैचारिक दावों के खुले बौद्धिक परीक्षण में है। इसी से हिंदू, बौद्ध, सिख धर्म सुरक्षित होंगे, कानून बनाकर नहीं। तुलनात्मक धर्म अध्ययन और शोध को विषय के रूप में शिक्षा में स्थापित करना इसमें उपयोगी होगा। यह सब करना कोई हिंदू राष्ट्र बनाना नहीं, बल्कि हिंदू-विरोधी भेदभाव खत्म कर स्थिति सामान्य बनाना भर है। जैसे जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाना सामान्यीकरण है, कोई हिंदू राज्य बनाना नहीं।

शंकर शरण

कुछ समय से देश में समान नागरिक संहिता की चर्चा बार-बार हो रही है, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसी तरह हिंदू मंदिरों को सरकारी कब्जे से मुक्त कराने की मांग भी अनुसूनी बनी हुई है। छोटे-मोटे संगठन और एक्टिविस्ट धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाने की भी मांग कर रहे हैं। शिक्षा अधिकार कानून में हिंदू-विरोधी पक्षपात पर भी काफी उद्बलन है। आखिर इन मांगों पर सत्ताधारियों का क्या रुख है? समान नागरिक संहिता की चाह तो मूल संविधान में ही थी, लेकिन शासकों ने शुरू से इसे उपेक्षित किया। कई बार सुप्रीम कोर्ट के पूछने पर भी कारंवाई नहीं की। समान संहिता की मांग हिंदू मुद्दा नहीं, बल्कि सेक्युलर मांग है। यह मांग तो सेक्युलरवादियों को करनी चाहिए। धर्मांतरण रोकना भी कानूनी प्रतिबंध का विषय नहीं। धर्मांतरण कराने में मिशनरी रणनीति और कटिबद्धता ऐसी है कि चीन जैसा कठोर शासन भी महज कानून से इसे रोकने में विफल रहा है। धर्मांतरण रोकने के आसान रास्ते की आस छोड़नी चाहिए। इसका उपाय शिक्षा और वैचारिक युद्ध में है। उससे कतराकर संगठित धर्मांतरणकारियों से पार पाना असंभव है।

कुछ लोग जब-तब हिंदू राष्ट्र की बातें

करते हैं, जबकि यथार्थवादी मांग यह होती कि हिंदुओं को दूसरे समुदायों जैसे बराबर अधिकार मिलें। दुर्भाग्यवश अधिकांश लोगों को इसकी चेतना नहीं। हालिया समय में संविधान के अनुच्छेद 25 से 31 की हिंदू-विरोधी व्याख्या स्थापित कर दी गई है। कई शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक अधिकारों पर केवल गैर-हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों का एकाधिकार बना दिया गया है। सरकार हिंदू शिक्षा संस्थान और मंदिरों पर मनचाहा हस्तक्षेप करती है और अपनी शर्तें लादती है। वह ऐसा गैर-हिंदू संस्थाओं पर नहीं करती। इसी तरह अल्पसंख्यकों को संवैधानिक उपचार पाने का दोहरा अधिकार है, जो हिंदुओं को नहीं है। हिंदू केवल नागरिक रूप में न्यायालय से कुछ मांग सकते हैं, जबकि अन्य नागरिक और अल्पसंख्यक, दोनों रूपों में संवैधानिक अधिकार रखते हैं। इस प्रकार हिंदू दूसरे दर्जे के नागरिक बना दिए गए हैं। ऐसा अंधेर दुनिया के किसी लोकतंत्र में नहीं कि अल्पसंख्यक को ऐसे विशेषाधिकार हों जो अन्य को न मिलें। निस्संदेह यह हमारे संविधान निर्माताओं की कल्पना नहीं थी।

वास्तव में 1970 के आसपास कांग्रेस-कम्युनिस्ट दुरभिसंधि और हिंदू

संगठनों के निद्रामग्न होने से संविधान के अनुच्छेद 25 से 31 को मनमाना अर्थ दिया जाने लगा। संविधान की उद्देशिका में जबरन सेक्युलर शब्द जोड़ने से लेकर दिनांदिन विविध अल्पसंख्यक संस्थान, आयोग, मंत्रालय आदि बना-बनाकर अधिक्राधिक सरकारी संसाधन मोड़ने जैसे अन्यायपूर्ण कार्य होते गए। विडंबना यह कि इनमें कुछ कार्य स्वयं हिंदुवादी कहलाने वाले नेताओं ने किए। उनकी निद्रा इतनी गहरी थी। वे सिर्फ सत्ता कार्यालय, भवन, कुर्सी, आदि की चाह में रहे। नीतियों में होते परिवर्तनों की दूरगामी मार पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

इसके विपरीत कम्युनिस्टों ने शिक्षा-संस्कृति की धारा पर कब्जा करने की कोशिश की, क्योंकि सामाजिक बदलाव का मूल स्रोत वही होती है। इसीलिए सत्ता पर काबिज हुए बिना भी कम्युनिस्टों ने देश की शिक्षा-संस्कृति पर वर्चस्व बनाया और हिंदू ज्ञान-परंपरा को बेदखल कर दिया। आज जब कई पारंपरिक हिंदू अपनी मान्यता अलग समुदाय रूप में चाहते हैं तो असल बात समझनी चाहिए। विगत कुछ दशकों में हिंदू धर्म-समाज के प्रति बौद्धिक तिरस्कार का भाव बना है। संकीर्ण पार्टीबादियों ने हिंदुओं को और विखंडित किया। वोट के लिए पार्टी,

सत्ता की खातिर विचारधारा की बलि

शिवसेना सरीखा हश्र कांग्रेस का भी होगा। महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार में सम्मिलित होकर पार्टी ने देश में क्या कुठ नहीं खोटा ? आखिर जो कांग्रेस भाजपा को अपना धुर वैचारिक विरोधी मानती है, वह उसके उग्र संस्करण शिवसेना से हाथ कैसे मिला सकती है ? या तो कांग्रेस पहले गलत थी या अब गलत है ? शिवसेना तो एक प्रादेशिक पार्टी है, उसका हित तो सीमित है, लेकिन कांग्रेस को तो अपने वृहद राष्ट्रीय हित के बारे में सोचना चाहिए था। क्या आगामी चुनावों में कांग्रेस के पास वैचारिक स्तर पर भाजपा के विरोध का कोई आधार होगा ?

डॉ एके वर्मा

महाराष्ट्र में अंततः उद्भव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बन ही गई। यह भारतीय राजनीति में विचारधारा के अंत का ही नहीं, वरन विचारधारा पर राजनीतिक महत्वाकांक्षा के हावी होने का भी ज्वलंत उदाहरण है। कल तक शिवसेना और कांग्रेस-राकांपा विचारधारा के दो ध्रुवों की तरह थे। शिवसेना जहां कट्टर हिंदुत्ववादी यानी दक्षिणपंथी पार्टी के रूप में जानी जाती थी, वहीं कांग्रेस और राकांपा वाम-मध्यमार्गी के रूप में। दोनों में गंभीर वैचारिक मतभेद रहे, लेकिन आज सत्ता की खातिर दोनों ही ध्रुवों ने वैचारिक मतभेद भुलाकर एक-दूसरे का हाथ थाम लिया। समय ही बताएगा कि यह प्रयोग कितने दिनों चलेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि इसका खामियाजा इन तीनों ही दलों को उठाना पड़ेगा। ऐसा ही प्रयोग कुछ समय पूर्व कांग्रेस ने कर्नाटक में जद(एस) के साथ और यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ किया था। इसके परिणाम उसके लिए घातक ही रहे थे। इसी की पुनरावृत्ति 2019 में यूपी में सपा-बसपा ने लोकसभा चुनाव में की और उसमें दोनों को ही नुकसान हुआ। ऐसा माना जाता है कि जनता की

याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन उसकी याददाश्त इतनी भी कमजोर नहीं होती कि राजनीतिक दलों और राजनेताओं की गंभीर गलतियों को बिल्कुल भूल जाए। इसीलिए चुनावों में सरकारें अक्सर बदल जाया करती हैं। विचारधारा राजनीति की आत्मा होती है। जिन राजनीतिक दलों का भारतीय लोकतंत्र में पराभव हुआ है या हो रहा है, उन्हें यह समझना चाहिए कि उनसे गलती कहाँ हो रही है? आखिर जनता को एक दल और दूसरे दल में फर्क करने का कोई तो ठोस आधार चाहिए। शिवसेना को आज ये नहीं समझ में आ रहा कि भविष्य में उसे अपनी वैचारिक जमीन छोड़ने की क्या कीमत चुकानी पड़ेगी? जो लोग शिवसेना के साथ हैं, वे जरूर असहज होंगे। जो सैद्धांतिक लड़ाई उन्होंने कांग्रेस और राकांपा के खिलाफ दशकों से लड़ी, आज उस पर पानी फिर गया। ऐसे लोग क्यों न भाजपा की ओर आकृष्ट हों? यहां वे वैचारिक रूप से खुद को ज्यादा सहज पाएंगे।

शिवसेना सरीखा हश्र कांग्रेस का भी होगा। महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार में सम्मिलित होकर पार्टी ने देश में क्या कुछ नहीं खोया? आखिर जो कांग्रेस भाजपा को अपना धुर वैचारिक विरोधी मानती है, वह उसके उग्र संस्करण शिवसेना से हाथ

कैसे मिला सकती है? या तो कांग्रेस पहले गलत थी या अब गलत है? शिवसेना तो एक प्रादेशिक पार्टी है, उसका हित तो सीमित है, लेकिन कांग्रेस को तो अपने वृहद राष्ट्रीय हित के बारे में सोचना चाहिए था। क्या आगामी चुनावों में कांग्रेस के पास वैचारिक स्तर पर भाजपा के विरोध का कोई आधार होगा? यदि एक विचारधारा है तो नीतियां भी एक जैसी होंगी, निर्णय और कार्यक्रम भी एक जैसे होंगे। फिर जनता को पार्टी बदलने से क्या बदलाव मिलेगा, क्या लाभ होगा?

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्वान डेनिएल बेल ने अपनी पुस्तक विचारधारा के अंत में कहा था कि किसी भी देश के उन्नत आर्थिक-सामाजिक ढांचे की संरचना में विकास की अहम भूमिका होती है, विचारधारा की नहीं। उनके अनुसार विभिन्न राजनीतिक विषयों जैसे लोक-कल्याणकारी राज्य, शक्ति विकेंद्रिकरण, मिश्रित अर्थव्यवस्था और बहुलवाद पर सभी विचारधाराओं में मतैक्य है। एक अन्य अमेरिकी विद्वान फ्रांसिस फुकुयामा ने इसे आगे बढ़ाते हुए कहा था कि ऐसा नहीं कि विचारधाराओं का अंत हो गया है, वरन विचारधाराओं के संघर्ष में दक्षिणपंथी विचारधारा ने अंतिम व स्थायी रूप से पूर्ण विजय प्राप्त कर ली है और

यही विचारधारा मानवता को भविष्य में निर्देशित करती रहेगी। एक तरह से देखा जाए तो दक्षिणपंथी शिवसेना द्वारा बहुत कम सीटें प्राप्त होने के बाद भी उद्भव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना डेनियल बेल और फुकुयामा की भविष्यवाणियों की प्रमाणित करता है। एक साथ चुनाव लड़ने के बाद भी कांग्रेस और राकांपा को शिवसेना के आगे घुटने टेकने पड़े। ऐसा करके कांग्रेस और राकांपा ने अपनी विचारधारा को अप्रासंगिक बना दिया है। एक तरह से यही काम शिवसेना ने किया, क्योंकि सब जानते हैं कि उसका तो जन्म ही कांग्रेस विरोध से हुआ था। कल तक शिवसेना की नजर में जैसी कांग्रेस थी, वैसी ही राकांपा भी।

महाराष्ट्र के घटनाक्रम से भाजपा ने भी कुछ खोया है। भाजपा को अपनी विचारधारा के लिए जाना जाता है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस को विस्थापित कर भाजपा का जिस तरह अभ्युदय हुआ, वह फुकुयामा की थीसिस को सही साबित करता है। जब धीरे-धीरे केंद्र और राज्यों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही थी, तब महाराष्ट्र में भाजपा को इतनी अधीरता क्यों दिखानी चाहिए थी कि भोर में शपथ ग्रहण हो जाए? अरे, शपथ ग्रहण था, कोई चोरी तो नहीं? देवेंद्र फडनवीस

ने सरकार न बनाने की बात कहकर स्वच्छ राजनीति का जो उदाहरण शुरू में दिया और जनता की सहानुभूति बटोरी, उसे बेमतलब गंवाने का कोई कारण नहीं था। कभी पूरे देश में मध्य-वाममार्गी विचारधारा का पर्याय रही और केंद्र व राज्यों में एकशत्रु राज्य करने वाली कांग्रेस को आज एक पिछलगू पार्टी की भूमिका में क्यों आना पड़ा? इसका कारण यही है कि कांग्रेस ने 1960 के दशक से या उससे भी पहले अपनी वैचारिक आधारशिला को तोड़ना शुरू कर दिया था। केरल में 1959 में नम्बूदरीपाद की विधिवत निर्वाचित वामपंथी सरकार को प्रधानमंत्री नेहरू ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी के आदेश पर भंग कर इसका संकेत दे दिया था। इंदिरा गांधी ने 1969 में कांग्रेस का विभाजन कर इसे आगे बढ़ाया। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में गिरावट के कारण कई दूषित तत्व फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे प्रदूषक तत्वों का सांस के साथ अंदर पहुंचना न केवल जानलेवा समस्या पैदा करता है, बल्कि कई अन्य बीमारियों को भी जन्म देता है। इनमें सांस की बीमारियां, दिल की बीमारियां, स्ट्रोक और यहां तक कि पुरुषों के शुक्राणुओं का प्रभावित होना भी शामिल है। पीएम 10 पार्टिकल्स में खून के प्रवाह में फ्री रेडिकल्स बढ़ाने की प्रवृत्ति होती है, जो पुरुषों के शुक्राणुओं की गुणवत्ता में गिरावट की एक वजह है। एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन युक्त पीएम 10 का शरीर में हार्मोन के बदलाव से सीधा संबंध देखा गया है। टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजेन स्तर में गिरावट से न केवल यौन संबंध की इच्छा घटने लगती है, बल्कि संतान उत्पन्न करने की क्षमता भी कम होने के संकेत मिलते हैं।

दूधनाथ सिंह, दीपाटोली, रांची

नवप्रदेश के घर डाकिया

प्रदूषण से शुक्राणुओं को भी पहुंचता है नुकसान

राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से कुछ राहत मिली है, लेकिन इसका एक और बड़ा नुकसान सामने आया है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआई (पीएम 10) का सुरक्षा स्तर से 10 गुना बढ़ना स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक माना जा रहा है। सांस लेने वाली हवा की गुणवत्ता में गिरावट के कारण कई दूषित तत्व फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे प्रदूषक तत्वों का सांस के साथ अंदर पहुंचना न केवल जानलेवा समस्या पैदा करता है, बल्कि कई अन्य बीमारियों को भी जन्म देता है। इनमें सांस की बीमारियां, दिल की बीमारियां, स्ट्रोक और यहां तक कि पुरुषों के शुक्राणुओं का प्रभावित होना भी शामिल है। पीएम 10 पार्टिकल्स में खून के प्रवाह में फ्री रेडिकल्स बढ़ाने की प्रवृत्ति होती है, जो पुरुषों के शुक्राणुओं की गुणवत्ता में गिरावट की एक वजह है। एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन युक्त पीएम 10 का शरीर में हार्मोन के बदलाव से सीधा संबंध देखा गया है। टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजेन स्तर में गिरावट से न केवल यौन संबंध की इच्छा घटने लगती है, बल्कि संतान उत्पन्न करने की क्षमता भी कम होने के संकेत मिलते हैं।

दूधनाथ सिंह, दीपाटोली, रांची

बैठक में पुलिस अधीक्षक
 पी.मुरुगन, सीआरपीएफ कमांडर
 अश्विबेले कुमार, उप विकास
 आयुक्त रवीचंद्र मिश्रा, अपराध
 समाहर्ता विजय कुमार गुप्ता,
 एसपी अभियान उमेश कुमार,
 पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय
 शुभाषचन्द्र झा, अनुमंडल
 पदाधिकारी बेरमो प्रेमरंजन,
 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी
 अंजनी अंजन, जिला योजना
 पदाधिकारी पी.वी.एन. सिंह,
 जिला जनसंपर्क पदाधिकारी
 राहुल कुमार भारती सतिश
 गोमिया, बेरमो, जरीडीह,
 नावाडीह, पेटव्धार, कसमार तथा
 चंद्रपुरा प्रखंड सह अंचल के
 सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,
 अंचल अधिकारी तथा थाना
 प्रभारी उपस्थित थे।

करें।
इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वरिय पदाधिकारियों को कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी बूथों पर एएमएफ का भी सुविधा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर अधिक से अधिक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करने का भी निर्देश दिया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त आलोक विवेदी, अपर समाहर्ता अनिल तिकी, गोपनीय प्रभारी यशपाल, निदेशक डीआरडीए, उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. शफिक आलम एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

डेविस कप मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को दी 4-0 से मात

नूर सुल्तान। अनुभवी टेनिस स्टार लिण्डर पेस ने अपना डेविस कप रिकार्ड बेहतर करते हुए जीवन नेदुंघेज़ियान के साथ अपना 44वां युगल मैच जीता जबकि भारत ने पाकिस्तान को 4.0 से हराकर 2020 क्वालीफायर में जगह बना ली। पाकिस्तान के मोहम्मद शोएब और हुफेजा अब्दुल रहमान की जोड़ी पेस और जीवन के आगे टिक नहीं सकी। उन्होंने सिर्फ 53 मिनट में 6.1, 6.3 से जीत दर्ज की। पिछले साल अपना 43वां युगल मैच जीतकर डेविस कप के इतिहास में सफलतम खिलाड़ी बने पेस ने इटली के निकोला पी को पछड़ा था। पेस ने 56वें मुकाबले में 43वीं जीत दर्ज की थी जबकि निकोला ने 66 में से 42 मैच जीते।

पेस ने कहा कि यह मेरी 44वीं जीत है लेकिन पहली जीत की तरह लगती है। मेरी सभी जीत विशेष हैं। रिकार्ड में भारत को जगह दिलाया मेरे लिए विशेष है और इसे लेकर मेरे अंदर जुनून है। जीवन अपना पहला मैच खेल

रहा था और सीनियर साथी होने के कारण मैंने यह दबाव अपने कंधों पर लिया। पेस ने जीवन की तारीफ करते हुए कहा कि जीवन देश के लिए खेलने में फख्र महसूस करता है। ये लड़के मुझे युवा, तरौताजा और उत्साहित बनाये रखते हैं। मैं उनके साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं। पेस का 44 जीत का रिकार्ड जल्दी टूट पाना संभव नहीं क्योंकि उनके अलावा कोई मौजूदा युगल खिलाड़ी शीर्ष 10 में नहीं है। बेलारूस के मैक्स मिरनी तीसरे नंबर पर हैं जिनके नाम 36 जीत दर्ज है लेकिन वह 2018 से टूर पर नहीं खेल रहे हैं।

पेस युगल मुकाबले में जीत के मामले में भले ही शीर्ष पर हों लेकिन यह दिग्गज भारतीय कुल जीत के मामले में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 92 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि 35 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय खिलाड़ी के नाम पर अब कुल 92 जीत दर्ज हैं जिसमें एकल की 48 जीत भी शामिल हैं। एक और जीत के साथ पेस स्पेन के मैनुएल



सेंटाना को पीछे छोड़ देगे जिनका जीत-हार का रिकार्ड 92-28 है। उल्ट एकल में सुमित नागल ने युसूफ खलील को 6.1, 6.0 से मात दी। दोनों टीमों ने बेमानी हो चुका पांचवां मुकाबला नहीं खेलने का फैसला किया । पहले तीन मैच जीतने पर भी टीम के लिये चौथा मैच खेलना जरूरी था लेकिन नियम पांचवां मैच छोड़ने की इजाजत देते हैं। नागल ने जीत दर्ज करने के बाद

कहा कि यह आसान जीत थी, मैं समझ सकता हूं कि वे युवा खिलाड़ी हैं, उन्हें अनुभव की जरूरत है। आज मेरा साल का अंतिम मैच था और मैं शिकायत नहीं करूंगा। यह साल मेरे लिए शानदार रहा। भारत ने फरवरी 2014 के बाद पहली बार किसी मुकाबले में सारे मैच जीते हैं। उस समय इंदौर में भारत ने चीनी ताइपै को 5 . 0 से हराया था। भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित

राजपाल ने जीत को देश के सैन्य बलों को समर्पित किया। महेश भूपति के स्थान पर कप्तान बनाए गए राजपाल ने कहा, ‘‘हमने आपस में इस बारे में बात की और हमारा मानना ​​है कि हम इस जीत को सैन्य बलों को समर्पित करना चाहते हैं, विशेषकर उन परिवारों को जिन्होंने हमारे परिवारों की रक्षा करते हुए सीमा पर अपने परिवार के सदस्यों को गंवाया है। इसलिए हम यह जीत भारतीय

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन ने पकड़ा सुपरमैन कैच

नई दिल्ली। एडिलेड टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने दमदार खेल दिखाते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। पहले ओपनर डेविड वार्नर ने रिकॉर्ड तिहरा शतक बनाया और फिर मिशेल स्टार्क की धारदार गेंदबाजी ने पाक बल्लेबाजी की पोल खेल दी। वार्नर की बेमिसाल बल्लेबाजी के बाद कप्तान टिम पेन का शानदार कैच भी सुर्खियों में आई। पहला टेस्ट पारी से जीतने के बाद दूसरे मुकाबले में भी पाकिस्तान पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनर डेविड वार्नर ने 335 रन की नाबाद पारी खेली जबकि मार्नस लाबुशाने ने 162 रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी को ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट के नुकसान पर 589 रन बनाकर घोषित किया। मिशेल स्टार्क की गेंद पर कप्तान टिम पेन ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

सेना को समर्पित करते हैं। अब क्वालीफायर्स में भारत का सामना क्रोएशिया से होगा और यह मुकाबला 6.7 मार्च को खेला जायेगा। डेविस कप फाइनल्स में 12 क्वालीफाइंग स्थानों के लिये 24 टीमों आपस में भिड़ेंगी। हारने वाली 12 टीमें सितंबर 2020 में विश्व रूप वन खेलेंगी। विजेता टीम में फाइनल्स में खेलेंगी जिसके लिये कनाडा, ब्रिटेन, रूस, स्पेन, फ्रांस और सर्बिया पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। तीसरे मैच में हुफेजा और शोएब ने पहले गेम में सर्विस बरकरार रखी लेकिन भारतीय जोड़ी ने तीसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर 3.1 से बढ़त बना ली। पांचवें गेम में फिर उनकी सर्विस तोड़कर पेस और जीवन ने दबाव बनाया। जीवन ने 30 . 15 पर डबल फाल्ट किया लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं बना सके और भारत ने बढ़त बना ली। पहला सेट जीतने के बाद भारतीयों ने दूसरा सेट भी आसानी से जीत लिया।

दक्षिण एशियाई खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे गोला फेंक स्टार तेजिंदर पाल



नयी दिल्ली। गोला फेंक के स्टार खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर नेपाल की राजधानी काठमांडू में रविवार को होने वाले दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक होंगे। पच्चीस साल के तूर एशियाई खेलों के गत चैंपियन हैं। भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने तूर को भेजे पत्र में कहा कि आईओए आपको, तेजिंदर पाल सिंह तूर को, नेपाल के पोखरा और काठमांडू में होने वाले 13वें दक्षिण एशियाई खेल 2019 के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाकर सम्मानित महसूस कर रहा है। इन खेलो का आयोजन काठमांडू और पोखरा में एक से 10 दिसंबर तक किया जाएगा।

एरोन फिंच को मैच के दौरान लगी सिर पर गेंद, मैदान से हुए बाहर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच को शनिवार को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान सिर में चोट लगी और उनके मस्तिष्क में आघात (कन्कशन) के लक्षण दिखाई दिये जिससे उनकी जगह ट्रेविस डैन को स्थानापन्न के तौर पर शामिल किया गया। विक्टोरिया के लिये खेलने वाले फिच बाकी मैच नहीं खेल सकेगे। फिच उस समय शार्ट लेग पर फील्डिंग कर रहे थे जब न्यू साउथ वेल्स के स्टीव ओकीफे ने जेम्स पेटिंसन की गेंद पर शाट खेला। क्रिकेट विक्टोरिया ने एक बयान में कहा कि उन्हें तुरत चिकित्सा सहायता दी गई और वह फील्डिंग करते रहे। बाद में कन्कशन के लक्षण दिखाई देने लगे। पांच साल पहले ऑस्ट्रेलिया के फिल ह्यूज को सिडनी क्रिकेट मैदान पर शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान गेंद लगी थी जिससे उनकी मौत हो गई थी।

फैन ने पत्रकार को दिया जवाब, मत भूलो टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को घर में घुसकर हराया है



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में शानदार खेल दिखा रही है। ब्रिसबेन का पहला टेस्ट मैच पारी से जीतने के बाद अब दूसरे मुकाबले में भी वह ऐसा ही करने जा रही है। एडिलेड टेस्ट के दूसरे दिन ओपनर डेविड वार्नर ने तिहरा शतक बनाया तो मिशेल स्टार्क ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान की पहली पारी को झकझोर दिया। ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट के लिए

लिखने वाले एक पत्रकार ने जब ऑस्ट्रेलिया में खेलना मुश्किल चुनौती बताया तो एक फैन ने उनको याद दिलाया कि कैसे भारत ने उसे घर पर घुसकर मात दी थी। आमिर मलिक नाम के एक पत्रकार जो खेल वेबसाइट स्पोर्ट्स 360 के लिए लिखते हैं उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में आकर खेलना किसी भी टीम के लिए बड़ी चुनौती बताया। आमिर ने ऑस्ट्रेलिया के शानदार प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर

अपनी बात रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल मेजबान बताया। उन्होंने दिव्दर पर लिखा, ऑस्ट्रेलिया मुश्किल जगह है यहां खेलने आने वाली टीम के लिए लेकिन यह नामुर्कन काम नहीं है। देखिए इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका को जो अपने होम कंडीशन से अलग माहौल में खेलने के बाद भी खुद अच्छे से मुकाबला करने के लिए तैयार कर पाए। यह बस एक मेंटल ब्लॉक है।

डेविड वॉर्नर ने रचा इतिहास, डे नाइट टेस्ट मैच में जड़ा तिहरा शतक

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा। तैंतीस बरस के वार्नर ने मोहम्मद अब्बास की गेंद पर चौका लगाकर तिहरा शतक जमाया। उन्होंने 389 गेंद की अपनी पारी में 37 चौकों की मदद से नाबाद 335 रन बनाए। वह करीब नौ घंटे तक क्रीज पर डटे रहे। वॉर्नर भारत के करुण नायर के बाद तिहरा शतक जमाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। नायर ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 303 रन बनाये थे। टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा के नाम है जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2004 में सेंट जॉस में नाबाद 400 रन बनाये थे। एशेज श्रृंखला में 10 पारियों में सिर्फ 95 रन बना सके वार्नर ने शानदार वापसी की है।

स्टीव स्मिथ ने डॉन ब्रैडमैन और कोहली को भी छोड़ा पीछे

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 7000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए जिन्होंने 1946 में बना रिकॉर्ड तोड़ा और ऑस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में डान ब्रैडमैन को पछाड़कर 11वें स्थान पर आ गए। स्मिथ ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक रन लेकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होंने 73 वर्ष पुराना इंग्लैंड के वेली हामंड का रिकॉर्ड तोड़ा। हामंड ने 131 पारियों में 7000 रन पूरे किये थे जबकि स्मिथ की यह 126वीं पारी थी। भारत के वीरेंद्र सहवाग ने 134 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ट्वीट किया कि सबसे तेज 7000 रन। तुम स्टार हो स्टीव स्मिथ। स्मिथ ने ब्रैडमैन को भी पछड़ा जिनके 6996 रन है। स्मिथ ने इस साल एशेज श्रृंखला में सात पारियों में 774 रन बनाये थे। स्मिथ ब्रिस्बेन में पहले ही टेस्ट में ये रिकॉर्ड बना लेते लेकिन अप्रत्याशित ढंग से चार रन पर आउट हो गए। अब उनका लक्ष्य ग्रेग चैपल से आगे निकलना होगा जिनके 7110 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिये रिकी पॉटिंग ने 168 टेस्ट में सर्वाधिक 13378 रन बनाये हैं।

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट एक बार फिर से चर्चा में है। हाल ही में टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन पर आईसीसी द्वारा दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उनपर मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने के बाद आईसीसी को इसकी सूचना ना देने की वजह से बैन लगाया गया है। अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के दो अधिकारियों के देश से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने शीर्ष क्रिकेट अधिकारी को देश से बाहर जाने से रोक दिया है, क्योंकि उसने खेल की राष्ट्रीय संस्था में जांच तेज कर दी है। प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। महबुबुल अनम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के दो सीनियर निदेशकों में से एक हैं जो संदेह के घेरे में हैं। आयोग के प्रवक्ता प्रणब कुमार भट्टाचार्जी ने कहा अनम के खिलाफ अवैध रूप से धन इकट्ठा करने के लिए जांच चल रही है। संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश



दिए गए हैं कि वह सुनिश्चित करें कि वह देश छोड़कर नहीं जाएं। आयोग ने आग्रजन पुलिस को पत्र लिखा है कि निविदाओं और नियुक्तियों में छेड़छाड़ करने, क्रिकेट बोर्ड प्रायोजकों के चयन में अपने पद का गलत इस्तेमाल करने के लिए अनम जांच के घेरे में हैं। इसके अनुसार, पता चला है कि यह व्यक्ति अपने परिवार के

साथ देश से भागने की कोशिश कर रहा है। उचित जांच के लिए यह जरूरी है कि उसे विदेश जाने से रोका जाए। हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के पूर्व महासचिव और उपाध्यक्ष अनम ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार किया है। उन्होंने कहा मैं बीसीबी की किसी भी टेंडर प्रक्रिया या

प्रायोजन में शामिल नहीं हूं। इस तरह के आरोप सच नहीं हैं। गौरतलब है कुछ दिन पहले ही भारत दौर पर आने से पहले बांग्लादेश बोर्ड और टीम के खिलाड़ियों को बीच काफी विवाद हुआ था। खिलाड़ियों ने बोर्ड के सामने कुछ शर्तें रखी थी जिसकी वजह से उन्होंने हड़ताल भी किया था।

बीसीसीआई एजीएम में लोढ़ा सुधारों में ढिलाई, सीएसी की नियुक्ति होंगे मुख्य मुद्दे

मुंबई। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की अध्यक्षता में बीसीसीआई रविवार को जब यहां अपनी पहली वार्षिक आम बैठक का आयोजन करेगा तो इसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत कुछ सुधारवादी कदमों में ढिलाई बरतने, क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) जैसी क्रिकेट समितियों का गठन और आईसीसी में बोर्ड का प्रतिनिधि नियुक्त करने पर चर्चा होगी। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने 33 महीने तक बीसीसीआई का संचालन किया जिसके बाद पिछले महीने गांगुली की अगुआई में नए पदाधिकारियों ने प्रभार संभाला।

बीसीसीआई अगर लोढ़ा समिति के सुधारवादी कदमों में ढिलाई देता है तो गांगुली का नौ महीने का मौजूदा कार्यकाल बढ़ सकता है। लोढ़ा समिति के सुधारवादी कदमों को उच्चतम न्यायालय से स्वीकृति मिली हुई है। एजीएम के लिए जारी एजेंडा में बीसीसीआई के मौजूदा संविधान में अहम

बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत मौजूद संविधान के अनुसार अगर कोई पदाधिकारी बीसीसीआई या राज्य संघ में तीन साल के दो कार्यकाल पूरा कर लेता है तो उसे तीन साल का अनिवार्य ब्रेक लेना होगा। मौजूदा पदाधिकारी चाहते हैं कि यह अनिवार्य ब्रेक बोर्ड और राज्य संघ में दो कार्यकाल अलग अलग पूरे करने पर हो। अगर यह प्रस्ताव शाह का कार्यकाल बढ़ जाएगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने बताया कि सभी प्रस्तावित संशोधनों का लक्ष्य बोर्ड के ढांचे को मजबूत करना है और उच्चतम न्यायालय से स्वीकृति मिलने पर ही इसे लागू किया जाएगा। हालांकि अब प्रस्ताव दिया गया है भविष्य में एजीएम में तीन-चौथाई बहुमत ही संविधान में किसी संशोधन को स्वीकृत देने के लिए पर्याप्त होगा क्योंकि उच्चतम



न्यायालय की स्वीकृति लेना व्यावारिक नहीं होगा जो मौजूदा संविधान के अनुसार जरूरी है। पिछले तीन साल में प्रशासनिक संकट के कारण आईसीसी में बीसीसीआई का रुतबा काफी कम हुआ है और ऐसे में बोर्ड ने प्रस्ताव रखा है कि वैश्विक संस्था में अनुभवी व्यक्ति बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करे और इसके लिए 70 साल की आयु सीमा का नियम लागू नहीं होे। ऐसी स्थिति में पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के बीसीसीआई की ओर से आईसीसी बैठक में हिस्सा लेने का रास्ता साफ हो सकता है।

श्रीनिवासन को 2013 में खेल को झकझोरने वाले स्पट फिक्सिंग प्रकरण के सामने आने के बाद पद छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा था। बीसीसीआई ने कहा कि आईसीसी में लगातार कमजोर हुए बीसीसीआई के हितों को बचाने के लिए मोलभाव और अन्य सदस्यों देशों से निजी बातचीत का अनुभव रखने वाले व्यक्ति को प्रतिनिधि बनाया जाना चाहिए। मौजूदा संविधान के अनुसार नौ सदस्यीय शीर्ष परिषद का सूत्रधार सीईओ है लेकिन मौजूदा पदाधिकारी चाहते हैं कि यह

भूमिका सचिव निभाऊ जिससे कि उसे अधिक अधिकार मिलें। शीर्ष पदाधिकारी साथ ही चाहते हैं कि सीईओ सचिव के अंतर्गत काम करें। एजीएम में पिछले तीन वित्तीय वर्ष के खतों को भी स्वीकृति दी जाएगी। क्रिकेट से जुड़े फैसलों के तहत क्रिकेट सलाहकार समिति सहित विभिन्न समितियों की एजीएम के दौरान नियुक्ति होगी।

सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और गांगुली के सीएसी में अपनी भूमिका छोड़ने के बाद कपिल देव, शांता रंगास्वामी और अंशुमन गायकवाड़ ने पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति की थी। इस पद के लिए रवि शास्त्री का अनुबुध बढ़ाया गया था। रंगास्वामी और गायकवाड़ अब भारतीय क्रिकेटर्स संघ के प्रतिनिधि के रूप में शीर्ष परिषद का हिस्सा हैं। चयन समिति की नियुक्ति सीएसी का विशेषाधिकार है। इसलिए यह देखना रोचक होगा कि किसी प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर को इस समिति का हिस्सा बनाया जाता है।

नए लोकपाल और आचरण अधिकारी की भी नियुक्ति की जाएगी। ये दो भूमिकाएं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डीके जैन निभा रहे थे जिनका कार्यकाल फरवरी में खत्म हो गया था। एजीएम में हितों के टकराव के विवादस्पद मुद्दे पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। गांगुली पहले ही कह चुके हैं कि यह भारतीय क्रिकेट के सामने सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने हितों के टकराव मुद्दे पर नाखुशी जाहिर की है। सीओए ने भी अपनी अंतिम स्थिति रिपोर्ट में इसमें बदलाव की मांग की थी। इस बीच समझा जा रहा है कि उपाध्यक्ष अमोल काले एजीएम में एमसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि तमिलनाडु क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व सचिव आरएस रामास्वामी या अध्यक्ष रूपा गुरुनाथ कर सकते हैं। रूपा श्रीनिवासन की बेटी हैं। बंगाल क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व उसके सचिव अविषेक डालमिया करेंगे।

उपेंद्र कुशवाहा ने तोड़ा आमरण अनशन, तेजस्वी-शरद ने पिलाया जूस

पटना। रालोसपा प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को आमरण अनशन तोड़ दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव व पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव ने कुशवाहा को जूस पिलाकर अनशन तोड़वाया। मौके पर बिहार महागठबंधन के तमाम वरीय नेता मौजूद हैं। फिलहाल उपेंद्र कुशवाहा पीएमसीएच में ही हैं और मौके पर महागठबंधन के तमाम नेता उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

अनशन के चौथे दिन बिगड़ी तबीयत

बताया जाता है कि शुक्रवार को कुशवाहा की तबीयत अधिक बिगड़ गई। इसके बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया और उन्हें एंबुलेंस से जबरदस्ती पीएमसीएच ले जाया गया। हालांकि, कुशवाहा को पीएमसीएच ले जाने का वहां मौजूद रालोसपा के कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने काफी विरोध किया। समर्थकों ने एंबुलेंस रोकने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रशासन के आगे किसी का नहीं चला। कुशवाहा को आनन-फानन में आइसीयू में एडमिट कराया गया। बताया जाता है कि चार दिनों से भूखे रहने के कारण कुशवाहा का जहां वजन घट गया है, वहीं

शुक्रवार को कुशवाहा ले जाए गए थे आइसीयू

बता दें कि उपेंद्र कुशवाहा भूख हड़ताल (आमरण अनशन) के चौथे दिन शुक्रवार को काफी कमजोर हो गए थे। इसे लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया और उन्हें आनन-फानन में पीएमसीएच ले गया। उन्हें पीएमसीएच के आइसीयू में एडमिट कराया गया था। शाम में भी उन्हें देखने के लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व

कर्मचारी हेलमेट लगाकर सस्ता प्याज बेच रहे, बोले- कभी भी पथराव हो जाता है

प्रशासन से सहयोग न मिलने पर बिस्कोमान ने बिक्री बंद करने का निर्णय लिया

प्याज की बिक्री शनिवार शाम तक ही होगी, जिसके चलते भीड़ जुटी

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दिनों प्याज लूटने की कोशिश हुई, कर्मचारियों पर पथराव किया गया

पटना। आमजन को सस्ता प्याज बेच रहे बिस्कोमान के कर्मचारियों को सुरक्षा का डर सताने लगा है। शनिवार को विभिन्न स्टॉल पर प्याज बेच रहे कर्मचारी हेलमेट पहने दिखे। दरअसल, यहां पिछले दिनों प्याज लूटने की कोशिश हुई थी। कुछ शरारती तत्वों ने कर्मचारियों पर पथर भी फेंके थे। पटना में प्याज की कीमत 80-100 रुपए किलो तक पहुंच गई है। बिस्कोमान एक सप्ताह से गांधी मैदान के पास स्थित भवन के बाहर और

नशा मुक्ति दिवस पर एसपी विनय तिवारी को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित



पटना। अपराध,अपराधियों एवं शराब माफियाओं पर काल की तरह बरसने वाले शांत स्वभाव,मृदुभाषी एवं तीखे तेवर वाले भारतीय पुलिस सेवा के 2015 बैच के अधिकारी विनय तिवारी अपनी सेवा के अल्पकाल में ही सुर्खियों में हैं। अपनी सहायक पुलिस अधीक्षक ,गोपालगंज में ट्रेनिंग के दौरान ही शराब माफियाओं के जटिल नेटवर्क को तोड़ने में सफलता हासिल कर बिहार पुलिस की भरोसा जीतने में सफल हो रहे हैं।गोपालगंज में ट्रेनिंग के दौरान एक से एक कांड के सफल उद्देदन के साथ -साथ मुख्यमंत्री

के महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी योजना शराबबंदी को असफल करने की कोशिश में लगे माफियाओं के बीच हड़कंप सी मच गई थी। इनके इमानदारी,कर्मठता,दक्षता एवं अनुभव को सरकार ने भी तोहा माना एवं प्रमोट करते हुए राजधानी पटना के मध्य की जिम्मेदारी विनय तिवारी के जिम्मे सौंपी गई ।यहाँ अपने कार्य के 4 महीने के अंदर ही लोगो की भरोसा जीतने में सफल रहे विनय तिवारी ने पुलिस पब्लिक मैत्रेयी सम्बन्ध को बढ़ाने के साथ- साथ अपराधियों ,माफियाओं पर नकेल कसने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इनके कार्य को देखते हुए नशा मुक्ति



बीपी भी बढ़ गया है। वे काफी कमजोर हो गए हैं। पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ.राजीव रंजन प्रसाद का कहना है कि उनके शरीर में मधुमेह की स्थिति में उतार-चढ़ाव हो रहा है। वे बीपी एवं मधुमेह दोनों के मरीज हैं। उनके स्वास्थ्य पर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक नजर रखे हुए हैं। पीएमसीएच के इमरजेंसी हेड डॉ.अभिजीत सिंह ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा के रक्त के नमूने लिए गए हैं। उनकी जांच कराई जा रही हैं। जांच रिपोर्ट

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ बिहार में केस दर्ज

मुजफ्फरपुर। भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के उस बयान की देश भर में निंदा हो रही है, जिसमें उन्होंने संसद में महात्मा गांधी के हत्यारे गोडसे को देशभक्त बताया था। बिहार के सियासी गलियारे में भी इसे लेकर साध्वी प्रभा ठाकुर पर विरोधी हमले कर रहे हैं। यहां तक कि सत्ता पक्ष भी उनके इस बयान से नाराजुश हैं। अब इसी गोड्से वाले बयान को लेकर बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिव्राद दर्ज किया गया है। इसकी सुनवाई आगामी छह दिसंबर को होगी। हालांकि भारी दबाव के बीच प्रज्ञा ठाकुर ने गोड्से को देशभक्त बताने वाले बयान को लेकर संसद में माफी मांग ली है।

छह दिसंबर को होगी सुनवाई

जानकारी के अनुसार, भोपाल की भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सीजेएम सूर्यकांत तिवारी के कोर्ट में शुक्रवार को परिव्राद दाखिल किया गया है। यह परिव्राद मिठनपुरा थाना के पक्की सराय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एम राजू नैय्यर ने दाखिल किया है। इसमें महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को महिमामंडित करने का आरोप लगाया गया है। सीजेएम ने परिव्राद को सुनवाई पर रखा है। छह दिसंबर को इसकी सुनवाई होगी। गौरतलब है कि प्रज्ञा ठाकुर के विवादाित बयान के बाद देश भर में विरोधी उन पर हमलावर हो गए। इसे लेकर भाजपा की भी किरकरी होने लगी।

शराब पीने के आरोप में होमगार्ड जवान को जेल

छपरा। खैरा थाने की पुलिस ने होमगार्ड के एक जवान को शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार जवान सोनपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर नवाडीह गांव निवासी जागा राय का पुत्र रामायण राय है। जवान के खिलाफ खैरा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार रामायण राय का शराब पीते एक वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। वह खैरा थाने में ही पदस्थापित था। बताते चलें कि शराब के मामले में एक सप्ताह के अंदर दो पुलिसकर्मियों को जेल भेजा जा चुका है। इसके पहले शराब रखने के मामले में इसके पहले रसूलपुर थाना के हवलदार को एसपी ने स्वयं पकड़ था।

फर्निचर लदी पिकअप वैन पलटी

दाउदपुर। छपरा-सिवान मुख्य मार्ग 531 पर सोनिया गांव के समीप फर्नीचर लोड एक पिकअप वैन सड़क के किनारे पलट गई। इस घटना में वाहन चालक जखमी हो गया। घायल चालक वैशाली जिले के लालगंज निवासी सुशील कुमार है। पटना के गायघाट से वाहन पर फर्नीचर लोड कर चालक सिवान जा रहा था। इसी क्रम में सोनिया गांव के समीप स्टियरिंग फेल होने के कारण सड़क किनारे पलट गई।

कि खराब शिक्षा व्यवस्था के लिए राज्य सरकार जिम्मेवार है। उन्होंने कुशवाहा की मांग को जायज ठहराया और कहा कि इससे बिहार की जनता का भला होने वाला है। किंतु नीतीश कुमार को जनता से कोई लेना-देना नहीं है। वह सिर्फ चेहरा चमकाना चाहते हैं। डबल इंजन की सरकार में बिहार में शिक्षा और विधि व्यवस्था चौपट है। प्रत्येक दिन चोरी-छकैती हो रही है। तेजस्वी ने कहा कि सरकार को उपेंद्र कुशवाहा की मांग मान लेनी चाहिए और केंद्रीय विद्यालय के लिए जमीन उपलब्ध करानी चाहिए। तेजस्वी के साथ राजद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जगदानंद सिंह, भाई अरुण कुमार, उपेंद्र चंद्रवंशी, नंदू यादव, खुशींद आलम सिद्दीकी एवं प्रमोद कुमार सिन्हा भी थे। इसके पहले कुशवाहा के आमरण अनशन के चौथे दिन शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव व कांग्रेस के वरीय नेता व राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह मिलर स्कूल स्थित अनशन स्थल

परिवार नियोजन शिविर में 50 महिलाओं की हुई काउंसिलिंग

छपरा। परिवार नियोजन जागरूकता अभियान के तहत गड़ुखा के फेरुसा स्वास्थ्य उप केन्द्र में शिविर का आयोजन शनिवार को किया गया। इसमें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सर्वजीत कुमार ने परिवार नियोजन के अस्थायी तथा स्थाई साधनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान परिवार नियोजन से संबंधित सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। मौके पर कैथर इंडिया की समन्वयक प्रेमा कुमारी ने कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर उनकी बेहतर परवरिश बाधित होती है। इसके प्रति पुरुषों को भी जागरूक होने की जरूरत है। इसके लिए समय से परिवार नियोजन के उपाय करने होंगे। शक्ति में 50 महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिनकी काउंसिलिंग किया गया। मौके पर बीएचएम राकेश कुमार सिंह, बीएम प्रशांत कुमार सिंह, एएनएम पदमावती कुमारी, गायत्री देवी, कुमारी सरोज, रंजना कुमारी समेत अन्य चिकित्सा कर्मी शामिल थे।

पत्नी ने रची मौत की खौफनाक साजिश, प्रेमियों संग मिलकर पति को मार डाला



औरंगाबाद। पत्नी के अवैध संबंध का विरोध करना पति को महंगा पड़ा और पत्नी ने उसे ऐसी खौफनाक सजा दी, जिसे सुनकर आपकी रूह सिहर जाएगी। पत्नी ने अपने दो प्रेमियों के साथ मिलकर ऐसी साजिश रची कि पुलिस भी हैरान रह गई। लेकिन, उसकी पोल खुल गई और उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। बारुण थाना के सुखराम बिगहा (चुरा) गांव की मंजू देवी अपने मायके आयी थी। मायके में मंजू देवी ने अपने दो प्रेमियों के साथ मिलकर पति भुनेश्वर पासवान की हत्या कर दी। पुलिस ने चालाकी से की गई हत्या के इस मामले का पर्दाफाश किया है। हत्या में शामिल बारुण के चुरा गांव निवासी जयकुमार यादव एवं मृतक की पत्नी मंजू देवी को गिरफ्तार किया है। वहीं, घटना में शामिल जम्होर थाना के मखरा गांव निवासी आजादी राम उर्फ करीबा फरार है।

बिशप स्कॉट गर्ल्स स्कूल अ फ्लेयर - 2019 एक्सेल प्रदर्शनी का आयोजन



पटना। बिशप स्कॉट गर्ल्स स्कूल ने 30 नवंबर, 2019 को स्कूल परिसर में शनिवार को स्कॉटिश की अर्तर्निहित प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी फ्लेयर-2019 का आयोजन किया। फ्लेयर - 2019 का उद्घाटन बिशप स्कॉट गर्ल्स स्कूल के अध्यक्ष श्री शैलेश प्रसाद सिंह ने किया; श्री अभिषेक कुमार सिंह, अध्यक्ष, बिशप स्कॉट बॉयज़ स्कूल; सुश्री नूतन सिंह, निदेशक, पी आर एंड एडमिन, बिशप स्कॉट ग्रुप ऑफ स्कूल्स और श्री अच्युत सिंह, निदेशक वित्त, बिशप स्कॉट ग्रुप ऑफ स्कूल्स। फ्लेयर -2019 में लगभग 1200 छात्रों ने भाग लिया और उनके काम को उपस्थित सभी ने सराहा। आगंतुकों को पुरातात्विक उत्खनन के माध्यम से अतीत की झलक मिली और फ्युचर-2050 में खोजा गया। वे ऑप्टिकल इल्यूजन से मंत्रमुग्ध हो गए, उन्हें हॉरर रूम में अपने जीवन का डर लग गया। उन्हें शहरी और ग्रामीण जीवन की झलक मिली, गुरुकुल के समय तक पहुँचाया गया, अनुभवी संगीत ने संगीत की दुनिया में जीवंत किया। उन्होंने ऊर्जा, संयंत्र और पशु किंगडम के वैकल्पिक स्रोतों, इसरो की परियोजनाओं, हैरी पॉटर के जादू, पौधों के औषधीय मूल्यों और घरेलू उपचार के बारे में सीखा। कुछ कमरों में विज्ञान के जादू को दिखाया गया जबकि अन्य कक्षों में अंतरिक्ष जहाज, कला, शिल्प और खेल दिखाए गए। कुछ कमरों में भौतिकी और रसायन विज्ञान के रहस्यों का खुलासा हुआ, जबकि अन्य कमरों में प्रसिद्ध इमारतों की महिमा दिखाई गई। वाणिज्य विभाग द्वारा अर्थशास्त्र और व्यवसाय की वृद्धि दर्शाई गई। जीवविज्ञान प्रदर्शित द्वारा मशीन के रूप में शरीर को स्पष्ट रूप से समझाया गया था।

सभ्य समाज बनाने के लिए नशामुक्ति होना बेहद जरूरी : संजय

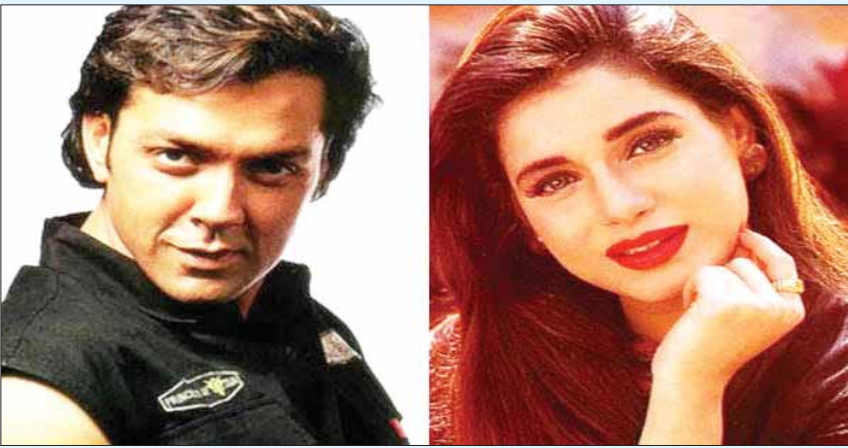


21 जनवरी को नशामुक्ति के लिए जो मानव श्रृंखला बनने की बात थी उसका समय अब 19 जनवरी 2020 को कर दिया गया है।यह श्रृंखला केवल बिहार ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के साथ केंद्रीय कार्यलय दिल्ली के जंतर मंतर पर भी बनाकर यह सन्देश देने काम किया जाता है कि हनलोग सभी प्रकार के नशा से दूर रहे एवं लोगो को जागरूक भी करे कि नशा सेवन से समाज एवं परिवार दोनों दूषित होता है और सभ्य समाज बनाने के लिए इसका परित्याग

टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करना प्राथमिकता : सिविल सर्जन

छपरा। टीकाकरण का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दो दिसंबर से छह प्रखंडों में चलने वाले सघन मिशन इंद्रधनुष टीकाकरण अभियान में पूर्ण लक्ष्य हासिल करना है। ये बातें सिविल सर्जन डा माधवेश्वर झा ने जिला प्रतिरक्षण कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि डीएम सुब्रत कुमार सेन 2 दिसंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों एवं गर्भवती माताओं को अभियान के दौरान प्रतिरक्षित किया जायेगा। अभियान चार चरणों में होगा। पहला चरण 2 दिसंबर, दूसरा 2 जनवरी 2020, तीसरा 3 फरवरी एवं चौथा चरण 2 मार्च 2020 से प्रारंभ होगा। इसे सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सीएस ने कहा कि 2264 बच्चे व 417 गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए विहित किया गया है। छह प्रखंडों में कुल 225 स्थानों का चयन किया गया। इनमें मांडी में 37, लहलादपुर में 27, मढ़ौरा में 50, मशरक में 38, पानापुर में 22 व शहरी क्षेत्र में 51 स्थल शामिल हैं। इस कार्य में 96 एएनएम को लगाया गया है। गौनीटारिया के लिए प्रखंड से जिला स्तर तक की टीम बनाई गई है।

5 साल के रिलेशन के बाद क्यों टूट गया था बॉबी देओल और नीलम का रिश्ता?



बॉलीवुड के कई सितारे अपनी पहली फिल्म से रातों-रात स्टार बन गये। इन्हीं कुछ कलाकारों में से एक बॉबी देओल भी हैं। बॉबी देओल ने 1995 में बरसात फ़िल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। दर्शकों को फ़िल्म की स्टोरीलाइन और बॉबी की एक्टिंग खूब पसंद आई। इसके बाद रातों-रात वो लोगों के लिये सेंसेशन बन गये। बॉबी देओल की फ़िल्मी और पर्सनल लाइफ़ दोनों अच्छी चल रही थी। पर इस दौरान वो 90 के दशक की एक अभिनेत्री से दिल लगा बैठे। वो अभिनेत्री कोई और नहीं, बल्कि नीलम हैं। इन दोनों का अफ़ेयर सीक्रेट था। ये दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी गंभीर भी थे। इतना ही नहीं, इन दोनों की मोहब्बत देख कर ये भी कहा जाता था कि आगे चल कर दोनों शादी करेंगे। पर असल में ऐसा नहीं हुआ और कुछ समय बाद ये दोनों अलग हो गये। अकसर ही इनकी मोहब्बत की दांस्ता अख़बारों और टीवी में देखने को मिलती रहती थी। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी खुल कर कभी एक-दूसरे के बारे में कुछ नहीं कहा। बॉबी देओल और नीलम करीब 5 साल तक रिलेशनशिप में रहे। इनके ब्रेकअप को लेकर कई तरह की ख़बरें सामने आईं। किसी ने कहा कि बॉबी की ज़िंदगी में पूजा भट्ट आ गई थीं, तो किसी ने कहा धर्मेद नीलम को अपने घर की बहू नहीं बनाना चाहते थे। वहीं कुछ समय बाद नीलम कोटरी ने अपने और बॉबी के अफ़ेयर की ख़बरों को सच बताया था। नीलम ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि उनका और बॉबी का ब्रेकअप आपसी सहमती से हुआ था। ये ब्रेकअप बॉबी देओल के पिता और अभिनेता धर्मेद या फिर दूसरे शख्स के कारण नहीं हुआ था। नीलम ने कहा कि रिलेशनशिप में रहने के कुछ समय बाद उन्हें इस बात का एहसास हो गया था कि वो इस रिश्ते में खुश नहीं रह पायेंगी। अपने दिल की इस बात को उन्होंने बॉबी से शेयर भी किया, जिसके बाद बॉबी को भी यही लगा कि ये रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चलेगा। इसलिये दोनों ने अलग होने का फ़ैसला ले लिया। इस फ़ैसले के बाद दोनों स्टार्स ने ज़िंदगी में आगे बढ़ने का फ़ैसला लिया और आगे बढ़ गये।

प्यार का बेरहम चेहरा दिखाती है वर्धन पुरी की थ्रिलर फिल्म ये साली आशिकी



नयी दिल्ली। 2019 में बॉलीवुड में कई सुपरस्टार्स के बच्चों ने डेब्यू किया। इस लिस्ट में सिनेमा के मोगेंबो अमरीश पुरी के पोते वर्धन पुरी का नाम भी शामिल हो गया है। वर्धन पुरी ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म ये साली आशिकी से किया है। फिल्म 28 नवंबर 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में वर्धन पुरी के साथ शिवालिका ओबेरॉय है। वर्धन पुरी की पहली फिल्म भी बाकी स्टार्स की डेब्यू फिल्मों की तरह ही लव स्टोरी है, लेकिन ये लव स्टोरी की कहानी बाकियों से अलग है, ये कहानी प्यार के बाद पैदा हुई घिनीनी नफरत की कहानी है। जहां प्यार में मासूमियत होती है... जज्बात होते हैं... वहीं इस फिल्म में प्यार का क्रूर, वीभत्स चेहरा आपको दिखाने को मिलेगा। फिल्म का कॉन्सेप्ट प्यार के दूसरे रूप को दिखा रहा है और बाकी लव स्टोरी से अलग है इसलिए फिल्म की सराहना होनी चाहिए।

फिल्म ये साली आशिकी की कहानी

फिल्म में दिखाया गया है कि साहिल मेहरा (वर्धन पुरी) कॉलेज में खड़े होकर अपने दोस्तों से कह रहा होता है कि लोग कहते हैं कि देश में लड़कियां असुरक्षित हैं, लेकिन सच तो यह है कि लड़के भी कुछ खास सुरक्षित नहीं हैं...। साहिल की इसी लाइन के इर्द-गिर्द घूमती है फिल्म की कहानी। साहिल मेहरा शिमला के होटल मैनेजमेंट कॉलेज में बड़ाई कर रहा होता है जहां उसकी मुलाकात मीति देवड़ा (शिवालिका ओबेरॉय) से होती है। साहिल मेहरा को मीति देवड़ा से पहली नजर में ही प्यार हो जाता है। साहिल मेहरा अपने प्यार का इजहार करता है कुछ दिन बाद मीति को भी साहिल अच्छ लगने लगता है। दोनों के बीच प्यार की शुरुआत होने लगती है, लेकिन इस प्यार की कहानी बाकी प्रेम कहानियों की तरह नहीं होती। इस लव स्टोरी में सच्चा प्यार, मासूमियत, लव केमिस्ट्री फिलिंग जैसी चीजें नहीं होती बल्कि धोखा, नफरत, खिलवाड़ होता है। आखिर मीति देवड़ा और साहिल मेहरा के बीच ऐसा क्या होता है?

मलयालम कवि अक्कीथम को 55वां ज्ञानपीठ पुरस्कार



नयी दिल्ली। मलयालम के प्रमुख कवि अक्कीथम को 55वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया है। ज्ञानपीठ चयन बोर्ड ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। बोर्ड ने बयान जारी कर कहा कि ज्ञानपीठ चयन बोर्ड ने एक बैठक में आज 55 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार 2019 के लिए मलयालम के प्रसिद्ध भारतीय कवि श्री अक्कीथम को चुना है।

अक्कीथम का नाम मलयालम कविता जगत में आदर के साथ लिया जाता है। उनका जन्म 1926 में हुआ था और पूरा नाम अक्कीथम अच्युतन नम्बूद्री है और वह अक्कीथम के नाम से लोकप्रिय हैं। उन्होंने 55 पुस्तकें लिखी हैं जिनमें से 45 कविता संग्रह हैं। पद्म पुरस्कार से सम्मानित अक्कीथम को सहित्य अकादमी पुरस्कार, केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार (दो बार) मातृभूमि पुरस्कार, वायलर पुरस्कार और कबीर सम्मान से भी नवाजा जा चुका है।

जानवरों के साथ खतरनाक सफर पर निकले आयरन मैन, डुलिटल का ट्रेलर रिलीज



मार्वल स्टूडियो की फिल्मों में एक शक्तिशाली सुपरहीरो की भूमिका निभाने के बाद अब रॉबर्ट डॉनी जुनियर जानवरों के डॉक्टर बनने जा रहे हैं। जी हां रॉबर्ट डॉनी जुनियर की आने वाली फिल्म डुलिटल में आयरन मैन अब डॉक्टर बन कर जानवरों से संवाद करते नजर आने वाले हैं। फिल्म डुलिटल का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रॉबर्ट डॉनी और जंगल के खतरनाक जानवरों के बीच काफी अच्छा बॉन्ड है और डुलिटल में डॉनी जानवरों की फीलिंग को भी समझते दिखाये गये हैं। फिल्म डुलिटल का कहानी काल्पनिक है। जिसमें रॉबर्ट डॉनी डॉक्टर डुलिटल का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि डुलिटल की पत्नी की मौत के बाद डुलिटल दुनिया से अपने आपको अलग कर लेते हैं और अपना वक्त जानवरों के साथ बिताने लगते हैं।

डुलिटल एक आगामी अमेरिकी एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है जिसका निर्देशन स्टीफन गगन ने किया है, जो गगन और जॉन व्हिटिंगटन की पटकथा से और थॉमस शेफर्ड की एक कहानी है। यह ह्यूग लॉफिंग द्वारा बनाए गए डॉक्टर डुलिटल के चरित्र पर आधारित है, जो मुख्य रूप से डॉक्टर डॉयलेट के यात्राएँ हैं। फिल्म 17 जनवरी 2020 को रिलीज होगी।

पागलपंती देखने जा रहे दर्शकों के लिए अलर्ट! दिमाग, पैसा और समय बिल्कुल न बर्बाद करें



कहते हैं कि कहानी अगर ज्यादा खास नहीं है तो भी फिल्म की कास्ट अपनी एक्टिंग से फिल्म को फ्लॉप होने से बचा लेती है लेकिन कहानी का सिर-पैर ही ना हो तो ईश्वर भी इसे नहीं बचा सकता ये तो सिर्फ कलाकार है। कलाकरों ने अपने-अपने किरदारों के हिसाब से सही एक्टिंग की है। अनिल कपूर और सौरभ शुक्ला मंझे हुए कलाकारों को स्क्रीन पर ज्यादा कुछ करते हुए नहीं देखा गया।

नयी फिल्म। अगर आपके पास दिमाग है तो कृपा करें 3 घंटे के लिए उसे बिल्कुल न लगाए, क्योंकि फिल्म पागलपंती पर दिमाग लगाकर आप बीमार हो सकते हैं बहुत बीमार!! जब बड़ी-बड़ी कॉमेडी फिल्म बनाने वाले अनिस बज्जी ने फिल्म को बनाते वक्त दिमाग नहीं लगाया तो आपको क्या जरूरत है। मैंने तो रिव्यू लिखने के लिए फिल्म देखते वक्त दिमाग लगाया था लेकिन मेरा हाल तो पीके के आमिर खान की तरह हो है। सहब कुछ लोस्ट!!! समझ नहीं आ रहा की आखिर बॉलीवुड को हो क्या गया है। फिल्मों के नाम पर सुपरस्टार्स की फौज खड़ी कर देते हैं और पैसा पानी की तरह बहा देते हैं लेकिन कहानी और स्क्रिप्ट पर बिल्कुल काम नहीं करते। बिना अश्लिलता फैलाए कॉमेडी राइटर्स ने हंगामा, हलचल, हैरा-फैरी जैसी फिल्में लिख कर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। आज फूहड़ डायलॉग्स की हदें पार करने क भी फिल्म तब दर्शकों को खींच नहीं पाते। मल्टीस्टार कॉमेडी फिल्म पागलपंती भी एक ऐसा ही जीता-जागता उदाहरण पेश करती है।

फिल्म की कहानी

जैसा की पहले ही बता चुकी हूं कि फिल्म में कहानी ढूंढना सबसे बड़ी जंग है काफी मशकत के बाद भी आपको फिल्म के सिर-पैर अलग ही मिलेंगे। जितनी मुझे समझ आयी है आपको बता देती हूं। फिल्म की कहानी में मुख्य तीन किरदार हैं जो हद से ज्यादा बदकिस्मत हैं। इनमें से एक है राज किशोर (जॉन अब्राहम) जिनपर सबसे बड़ी साढ़े साती लगी हुई है। राज जो भी काम करता है या जिसके साथ काम करता है उसका बंटोधार हो जाता है। राज की बदकिस्मत के चलते देश का पैसा नीरज मोदी लेकर विदेश भाग जाता है। नीरज मोदी के भागने के बाद राज किशोर लंदन चले जाते हैं और वहां उसकी मुलाकात जंकी (अरशद वारसी) और चंदू (पुलकित सम्राट) से होती है। तोनो की स्वार्थ से भरी दोस्ती होती है और तीनों मिलकर बिजनेस करने की सोचते हैं, लेकिन राज की खराब किस्मत के कारण वो बिजनेस भी बर्बाद हो जाता है। फिर इन सब की मुलाकात संजना (इलियाना डिकरूज) से होती है और उनको भी बिजनेस करने की लालच देते हैं और संजना का पैसा भी डूबा दे है। इसके बाद वो परिस्थितियों में फंसकर वाई फाई भाई (अनिल कपूर) और राजा साहब (सौरभ शुक्ला) के पास पहुंच जाते हैं, जो कि डॉन हैं। वहीं चंदू की मुलाकात जाह्नवी (कीर्ति खरबंदा) से होती है। राज, चंदू और जंकी तीनों मिलकर अंडरवर्ल्ड के बीच फंस जाते हैं और इसी सब में उनकी मुलाकात नीरज मोदी से होती है। इसके बाद सब नीरज मोदी से पैसा निकलवाने की कोशिश में लग जाते हैं।

डायरेक्शन

अनीस बज्जी ऐसी कॉमेडी डायरेक्टर है जिन्होंने शानदार कॉमेडी फिल्में बनाई है, लेकिन उसकी इस फिल्म ने काफी निराश किया है। अनीस एक अच्छे निर्देशक है लेकिन इस फिल्म में सच में उन्होंने दिमाग नहीं लगाया बस बना दी है। फिल्म का डायलॉग डिलिवरी बेहद खराब है और एडिटिंग में भी कई जगह दिक्कत है। पूरी फिल्म उसी पुराने अंदाज की घिसी-पीटी फिल्म लग रही है। ज्यादातर सीन देखने के बाद आपको ऐसा लगेगा कि आपने पहले भी ये सीन या इससे मिलता- जुलता कुछ देखा हुआ है।

फिल्म पानीपत के इतिहास को लेकर अर्जुन कपूर ने शेयर की यह खास बात



नयी दिल्ली। अभिनेता अर्जुन कपूर का मानना है कि भारत में लोग प्रसिद्ध ऐतिहासिक विजय की कहानियों को कहना-सुनना ज्यादा पसंद करते हैं और शायद इसीलिए पानीपत की तीसरी लड़ाई की कहानी को बड़े पर्दे पर कभी नहीं दिखाया गया। आशुतोष गोवरिकर की भव्य पीरियड ड्रामा फिल्म ‘‘पानीपत’’ में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका में हैं। पानीपत की तीसरी लड़ाई 1761 में सदाशिवराव भाऊ के नेतृत्व में मराठों और अहमद शाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के बीच लड़ी गई थी।

फिल्म में अहमद शाह अब्दाली का किरदार संजय दत्त ने निभाया है। फिल्म में कृति सेनन भी हैं। अर्जुन का कहना है कि लोग हमेशा किसी युद्ध के अंतिम परिणाम में रुचि रखते हैं न कि इसके कारण या बाद के हालात में। उन्होंने कहा कि हमारे देश में, हम युद्ध के अंतिम परिणाम को जानने के बारे में अधिक रुचि रखते हैं। हम यात्रा में ज्यादा रुचि नहीं रखते हैं या घटना के बाद क्या बदलाव आये, इसके बारे में जानने की उत्सुकता नहीं रहती है। कभी-कभी कारण ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं।

अभिनेता ने बताया कि ऐसी कई परिस्थितियां रही हैं, जहां चीजें योजना के अनुसार बिल्कुल नहीं चली, लेकिन फिर भी उस घटना की वजह से सकारात्मक चीजें निकलकर सामने आयी हैं। कपूर का मानना है कि किसी ने भी इस कहानी को केवल इसलिए नहीं बताया क्योंकि मराठा युद्ध हार गए थे। पानीपत 6 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है।

